TITLE CODE : UPHIN50246

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

लोक पहल

शाहजहाँपुर, बुधवार 28 जून 2023 | शाहजहाँपुर से प्रकाशित | वर्ष :2, अंक :18 पृष्ठ :8, मूल्य 2 रुपये

दोहरी व्यवस्था से कैसे चलेगा देश : नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री ने समान नागरिक संहिता की पुरजोर वकालत की

नई दिल्ली एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) की पुरजोर वकालत करते हुए सवाल किया, 'दोहरी व्यवस्था से देश कैसे चलेगा?' उन्होंने कहा कि इस संवेदनशील मुद्दे पर मुसलमानों को उकसाया जा रहा है। उन्होंने विपक्षी दलों पर हमला किया और कहा, कुछ लोगों द्वारा अपनाई गई तुष्टीकरण की नीति देश के लिए 'विनाशकारी' है। मोदी ने भोपाल में पार्टी कार्यकर्ताओं की एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने तय किया है कि वह तुष्टिकरण और वोटबैंक की राजनीति के बजाए 'संतुष्टिकरण' के रास्ते पर चलेगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि विपक्ष समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के मुद्दे का इस्तेमाल मुस्लिम समुदाय को गुमराह करने और भड़काने के लिए कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय मुसलमानों को यह समझना होगा कि कौन से राजनीतिक दल उन्हें भड़काकर उनका फायदा लेने के लिए उनको बर्बाद कर रहे हैं। दोहरी व्यवस्था से देश कैसे चल पाएगा? हमें याद रखना है कि भारत के संविधान में भी नागरिकों के समान अधिकार की बात कही गई है।'

उन्होंने कहा, 'ये लोग विपक्ष हम पर आरोप लगाते हैं लेकिन हकीकत यह है कि वे मुसलमान, मुसलमान करते हैं। अगर वे वास्तव में मुसलमानों के हित में काम कर रहे होते, तो मुस्लिम परिवार शिक्षा और नौकरियों में पीछे नहीं होते।' मोदी ने कहा कि उत्तर प्रदेश, बिहार, दक्षिण भारत, खासकर केरल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और तमिलनाडु और कई अन्य राज्यों में तुष्टीकरण की नीति के कारण कई जातियां विकास से पीछे रह गईं। उन्होंने कहा कि तीन तलाक का समर्थन करने वाले वोट बैंक के 'भूखे' लोग मुस्लिम बेटियों के साथ घोर अन्याय कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'तीन तलाक से नुकसान सिर्फ बेटियों का नहीं होता, उनके परिवार का भी नुकसान होता है।' मोदी ने कहा कि उत्तर प्रदेश, बिहार,

दक्षिण भारत, खासकर केरल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और तमिलनाडु और कई अन्य राज्यों में तुष्टीकरण की नीति के कारण कई जातियां विकास से पीछे रह गईं। उन्होंने कहा कि तीन तलाक का समर्थन करने वाले वोट बैंक के 'भूखे' लोग मुस्लिम बेटियों के साथ घोर अन्याय कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'तीन तलाक से नुकसान सिर्फ बेटियों का नहीं होता, इसका दायरा बड़ा होता है उनके परिवार का भी नुकसान होता है।' प्रधानमंत्री ने कहा, 'मिस्र में 80–90 साल पहले तीन तलाक खत्म कर दिया गया था। दुनिया के अनेक मुस्लिम बहुल देशों ने तीन तलाक बंद कर दिया है।' मोदी ने कहा, 'तीन तलाक इस्लाम का जरूरी अंग है तो यह पाकिस्तान, कतर, जार्डन, इंडोनेशिया जैसे देशों में क्यों नहीं है। वहां क्यों बंद कर दिया गया। मैं समझता हूं कि मुसलमान बेटियों पर तीन तलाक का फंदा लटका कर उन पर अत्याचार की खुली छूट चाहते हैं, ये इसलिए उसका समर्थन करते हैं। मैं जहां जाता हूं मुस्लिम बहनें भाजपा और मोदी के साथ खड़ी रहती हैं।'

उन्होंने कहा, 'भारत के मुसलमान भाई–बहनों को यह समझना होगा कि कौन से राजनीतिक दल उनको भड़काने का काम कर रहे हैं।' अगले लोकसभा चुनाव में भाजपा का मुकाबला करने के लिए विपक्षी दलों के एक साथ आने के प्रयासों के संबंध में एक कार्यकर्ता द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में मोदी ने कहा, 'ऐसे लोगों पर गुस्सा मत कीजिए, दया कीजिए।

यूपी सरकार का छोटे उद्यमियों को बड़ा तोहफा

दुर्घटना में मौत या विकलांगता होने पर परिजनों को पांच लाख रुपये देगी योगी सरकार

लोक पहल

लखनऊ। यूपी सरकार ने प्रदेश के छोटे उद्यमियों के लिए बड़ी घोषणा की है। प्रदेश सरकार सूक्ष्म उद्यमियों को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री सूक्ष्म उद्यमी दुर्घटना बीमा योजना लागू कर रही है। इसके तहत दुर्घटना में मृत्यु होने या स्थायी अपंगता होने पर उद्यमियों के परिजनों को पांच लाख रुपये प्रदान किए जाएंगे। वहीं, आंशिक स्थायी अपंगता होने पर विकलांगता के अनुपात में सहायता प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है। बैठक में कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है।

बैठक में 'उप्र टाउनशिप नीति, 2023' और 'उप्र नगर योजना और विकास अधिनियम, 1973 (संशोधन) अध्यादेश 2023' को भी मंजूरी दी गई। साथ ही उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, प्रयागराज का नाम परिवर्तित कर डॉ. राजेंद्र प्रसाद राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय करने पर सहमति दे दी गई है। बैठक में अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक संस्कृत विद्यालयों के जीर्णोद्धार, मरम्मत और पुनर्निर्माण के लिए 100 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है।

यूपी में अवैध धर्मांतरण सिंडिकेट का होगा सफाया

प्रदेश के नगर निगमों और नोएडा को सेफ सिट के रूप में किया जायेगा विकसित

लोक पहल

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में बढ़ रही धर्म परिवर्तन की घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए घटनाओं को अंजाम देने वाले सिंडिकेट का सफाया करना की दिशा में काम करने को कहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गाजियाबाद सहित कुछ और जगहों पर अवैध धर्मांतरण की घटनाओं पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि अवैध धर्मांतरण के पीछे बड़े अंतरराष्ट्रीय सिंडिकेट का हाथ होने की पुष्टि हो रही है। सिंडिकेट धर्मांतरित व्यक्तियों को प्रशिक्षित करके उनके जरिए अवैध धर्मांतरण का कार्य श्रृंखलाबद्ध तरीके से करवा रहा है। दिव्यांग बच्चे, नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं पर इस सिंडिकेट की विशेष नजर रहती है। आर्थिक प्रलोभन भी दिया जा रहा है। अवैध धर्मांतरण के सिंडिकेट का सफाया किया जाना आवश्यक है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आने वाले त्योहारों में शांति, सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन और पुलिस के अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की। इस दौरान उन्होंने कहा कि गाजियाबाद में ऑनलाइन गेमिंग चौटिंग ऐप के जरिए किशोर बच्चों के

धर्मांतरण की घटना से हम परिचित हैं। एक स्थान पर मूकबधिर बच्चे को अवैध धर्मांतरण के लिए प्रेरित किया गया। तत्काल सक्रियता से एक बड़ी साजिश का पर्दाफाश हो सका। ऐसी एंटी सोशल और एंटी नेशनल घटनाओं को समय रहते नियंत्रित किया जाना बहुत आवश्यक है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि महिला सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए सेफ सिटी परियोजना महत्वपूर्ण है। अगले तीन महीने में लखनऊ सहित सभी 17 नगर निगमों और नोएडा को सेफ सिटी के तौर पर विकसित किया जाए। अगले चरण में सभी मुख्यालय के नगरीय निकायों को सेफ सिटी योजना से जोड़ा जाएगा। इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम से शहरों की सुरक्षा व्यवस्था बेहतर हुई है। अंतरविभागीय समन्वय के साथ कन्वर्जेंस के जरिए वित्तीय प्रबंधन करते हुए सभी शहरों को 'सेफ सिटी' के रूप में विकसित किया जाए। अपराध और अपराधियों की बदलती प्रकृति को देखते हुए हर जिले के हर थाने में साइबर हेल्प डेस्क भी ऐक्टिव रहे।

2030 तक दुनिया का हर पांचवा व्यक्ति बोलेगा हिंदी: प्रो. द्विवेदी

'इंटरनेट पर हिंदी पढ़ने वालों की संख्या में हर साल 94 फीसदी का इजाफा'

लोक पहल

नई दिल्ली। 'विश्व के 260 से ज्यादा विदेशी विश्वविद्यालयों में हिंदी पढ़ाई जाती है। 64 करोड़ लोगों की हिंदी मातृभाषा है। 24 करोड़ लोगों की दूसरी और 42 करोड़ लोगों की तीसरी भाषा हिंदी है। इस धरती पर 1 अरब 30 करोड़ लोग हिंदी बोलने और समझने में सक्षम हैं। 2030 तक दुनिया का हर पांचवा व्यक्ति हिंदी बोलेगा।' यह विचार नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) की बैठक को संबोधित करते हुए भारतीय जन संचार संस्थान के महानिदेशक एवं नराकास अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) संजय द्विवेदी ने व्यक्त किए। प्रो. द्विवेदी ने कहा कि तकनीक में हिंदी का प्रसार तेजी से बढ़ा है। हिंदी की लोकप्रियता का अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि इंटरनेट पर हिंदी पढ़ने वालों की संख्या हर साल 94 फीसदी बढ़ रही है, सरकारी कामकाज के लिए 2016 तक 2.4 करोड़ लोग हिंदी का इस्तेमाल करते थे, जो 2025 में 10.9 करोड़ हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि भारत सरकार

के राजभाषा विभाग द्वारा उठाए गए कदमों के परिणामस्वरूप कंप्यूटर पर हिंदी में कार्य करना अधिक आसान और सुविधाजनक हो गया है।

बैठक के दौरान सदस्य कार्यालयों की छमाही रिपोर्ट की समीक्षा भी की गई। इस अवसर पर आईआईएमसी के अपर महानिदेशक डॉ. निमिष रुस्तगी, डीन (अकादमिक) प्रो. गोविंद सिंह, उत्तरी क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, राजभाषा विभाग के उप निदेशक (राजभाषा) कुमार पाल शर्मा, नराकास के सदस्य सचिव डॉ. पवन कौंडल एवं सहायक निदेशक (राजभाषा) अंकुर विजयवर्गीय सहित 76 सदस्य कार्यालयों के कार्यालय प्रमुख एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

भारत कुमार और प्रकाश उप्रेती एसजेएफ के बिहार और उत्तराखंड के संयोजक मनोनीत

लोक पहल

काठमांडू (नेपाल)। सार्क जर्नलिस्ट फोरम, एसजेएफ ने शशि भूषण कुमार को भारत के बिहार राज्य तथा प्रकाश उप्रेती को उत्तराखंड राज्य का संयोजक नामित किया है।

शशि भूषण कुमार और प्रकाश उप्रेती दोनों भारत के विभिन्न मीडिया में पत्रकार के रूप में काम कर रहे हैं। एसजेएफ अध्यक्ष राजू लामा ने एसजेएफ इंडिया चैप्टर के अध्यक्ष अनिरुद्ध सुधांशु के प्रस्ताव पर भारत कुमार और प्रकाश उप्रेती को बिहार और उत्तराखंड के संयोजक के रूप में नामित किया है।

एसजेएफ के अध्यक्ष राजू लामा, महासचिव मोहम्मद अब्दुर रहमान, केंद्रीय कार्यकारी सदस्य स्मिता मिश्रा और इंडिया चैप्टर के अध्यक्ष अनिरुद्ध सुधांशु ने कुमार और उप्रेती को उनके नामित होने पर बधाई दी है और उनके सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

वित्तमंत्री सुरेश खन्ना से मिला उपजा का प्रतिनिधि मंडल

मुख्यमंत्री को सम्बोधित एक ज्ञापन सौंपकर उठाई पत्रकारों की समस्याएं

लोक पहल

शाहजहांपुर। उ.प्र. जर्नलिस्ट एसोसिएशन का एक प्रतिनिधि मंडल प्रदेश के वित्त एवं ससंदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना से मिला। प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री को सम्बोधित एक ज्ञापन सौंपते हुए जनपद में पत्रकारों की समस्याओं को उठाया। ज्ञापन में पत्रकारों के लिए आवासीय कालोनी आवंटन व निःशुल्क चिकित्सा उपलब्ध कराए जाने की मांग की गई है। ज्ञापन में कहा गया है कि लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ कहा जाने वाला मीडिया आम जन को वांछित सूचनाओं के साथ साथ समय समय पर शासन एवं प्रशासन को भी आइना दिखाता रहता है। जनपदीय ६ ग्रामीण पत्रकारों की आर्थिक स्थिति किसी से भी छिपी नही है । पत्रकार कडी गर्मी हो सर्दी हो बरसात हो अथवा कितने भी खराब हालात हो अपने कर्तव्यों का निर्वाहन पूरी निष्ठा के साथ कर रहा है। लेकिन तमाम पत्रकारों के पास आवास तक की सुविधा नही है। महगाई के इस दौर में जो मकान किराया है वह भी अदा करना पत्रकारों के बस की बात नही है। वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना के प्रयासों से शाहजहाँपुर नगर निगम का आकार ले चुका है। विकास प्राधिकरण बनना पाइप लाईन में है। इस लिए पत्रकारों के लिए अन्य जनपदों की तरह आवासीय पत्रकार पुरम कालोनी आवंटित करने तथा स्वास्थ्य विभाग पत्रकारों के लिए सूचना कार्यालय के माध्यम से निःशुल्क स्वास्थ्य कार्ड देता रहा है किन्तु इधर कई वर्षो से स्वास्थ्य कार्ड मिलना बंद हो गये है। पत्रकारों के लिए स्वास्थ कार्ड की व्यवस्था कर निःशुल्क चिकित्सा उपलब्ध कराई जाये। जिस पर मंत्री श्री खन्ना ने कहा कि आपकी मांगे जायज हैं उन्होंने आश्वासन दिया कि वह मुख्यमंत्री से बात करके इनको लागू करवाने का पूरा प्रयास करेंगे।

ज्ञापन देने वालों में उपजा के संरक्षक ओंकार मनीषी, जिलाध्यक्ष अभिनय गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष आरिफ सिद्दीकी व जिला संगठन मंत्री नीरज बाजपेयी शामिल रहे।

सरिता से शरद बन गए शहीद रोशन सिंह की प्रपौत्री

अब सविता से रचाएंगे विवाह

लोक पहल

शाहजहांपुर। देश की आजादी में अपने प्राणों को न्यौछावर करने वाले शाहजहांपुर के काकोरी कांड के अमर नायक ठाकुर रोशन सिंह की प्रपौत्री सरिता ने अपना लिंग परिवर्तन करा लिया है। सरिता की अब नई पहचान शरद सिंह होगी। सरिता को जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह ने लिंग परिवर्तन प्रमाण पत्र और पहचान पत्र सौंप दिया है। अब वह पीलीभीत की सविता से शादी करेंगे।

शाहजहांपुर के काकोरी कांड के अमर नायक ठाकुर रोशन सिंह की प्रपौत्री सरिता सिंह ने जेंडर बदलने के बाद अब इसका प्रमाणपत्र भी हासिल कर लिया है। लिंग परिवर्तन प्रमाण पत्र के साथ डीएम की ओर से दिए गए पहचान पत्र के मुताबिक सरिता का नाम अब शरद सिंह हो गया है।

उन्होंने बताया कि अब वह पीलीभीत की सविता सिंह चौहान से जल्द शादी करेंगे। मूलतः खुदागंज थाना क्षेत्र के गांव नवादा निवासी शरद भावलखेड़ा ब्लॉक के कंपोजिट विद्यालय सतवां खुर्द में सहायक अध्यापक के पद पर कार्यरत हैं। वह निगोही रोड पर स्थित साहित्यपुरम कॉलोनी में रहते हैं। लड़की होने के बाद भी लड़कों जैसा बनकर रहने वाली सरिता सिंह ने 2020 में जेंडर बदलने के प्रयास शुरू किए थे। उन्होंने लखनऊ में हार्मोंस थेरेपी कराई। इससे उनके चेहरे पर दाढ़ी उग आई थी। आवाज भी भारी हो गई थी।

करीब एक माह पहले उन्होंने मध्यप्रदेश के इंदौर में सर्जरी कराकर अपना जेंडर बदलवा लिया था। डीएम उमेश प्रताप सिंह ने सरिता सिंह से शरद सिंह बनने पर उन्हें लिंग परिवर्तन प्रमाण पत्र और पहचान पत्र दिया। शरद के अनुसार जेंडर बदलने में उन्हें तीन साल का समय लगा। तमाम दुश्वारियां आने के बाद भी उन्होंने हिम्मत नहीं हारी।

12 साल की उम्र से महसूस होने लगा था कि उनका अपोजिट जेंडर है। इसलिए उन्होंने लड़की से लड़का बनने की ठान ली थी। सहायक अध्यापक शरद प्रशासन से प्रमाण पत्र मिलने के बाद बेसिक शिक्षा विभाग के कागजों में अपना जेंडर बदलवाने के लिए पत्राचार करेंगे। उन्होंने बताया कि वह सिविल सर्विस की तैयारी भी करेंगे।

लायंस सहेली की वीना अध्यक्ष डा नमिता सचिव बनीं

शाहजहांपुर (लोक पहल)। लायंस क्लब सहेली के नए चेप्टर के लिए गठन हो गया है। संस्था का वीना सिंह को अध्यक्ष ,डॉ नमिता सिंह को सचिव, सुनीता सिंह को कोषाध्यक्ष बनाया गया है।

नव नियुक्त अध्यक्ष वीना सिंह ने बताया 2023–24 में संस्था समाज मे जागरूकता व महिला उत्थान के लिए कार्य करेगी सचिव डॉ नमिता सिंह ने बताया गवर्नर लायन तजेंदर सिंह, चार्टर अध्यक्ष लाइन मीरा सेठ व चेयर पर्सन काजल खन्ना के मार्गदर्शन में हम लोग पौधारोपण, ब्लड डोनेशन डायबिटीज चेकअप कैंप, महिलाओं के व बच्चों के जागरूकता के कार्यक्रम पर कार्य करेंगे।

आदर्श दिव्यांग कल्याण संस्था ने कराया जरूरतमंद कन्या का विवाह

लोक पहल

शाहजहांपुर। आदर्श दिव्यांग कल्याण संस्था ने आर्थिक रूप से कमजोर कुमारी राधा की शादी धूमधाम से संपन्न कराई। समिति के सचिव नीरज बाजपेई ने कन्या के विवाह के लिए राम चरण लाल धर्मशाला खिरनी बाग में रविंदर कुमार के साथ तय करके धूमधाम से संपन्न करायी। विवाह में संस्था की ओर से उपहार और घरेलू जरूरत की वस्तुओ को देकर विदा किया। संस्था के सचिव नीरज बाजपेई और सचिन बाथम ने कन्यादान किया। उन्होंने बताया कि संस्था इससे पहले भी 113 शादी संपन्न करा चुकी है। यह 114 वी शादी है।

इस अवसर पर समिति की प्रदेश अध्यक्ष मीनाक्षी अग्निवेश, जिला अध्यक्ष सचिन बाथम, मून शर्मा, सोनू अवस्थी, मनोज कुमार, अनिल, राजीव सक्सेना, पवन श्रीवास्तव, प्रभा बाजपेई, गरिमा बाजपेई, संजीव कुमार उर्फ सोनू राजेश सक्सेना, लक्ष्मी टेंट सुमन लता, पूर्णिमा सक्सेना ने सहयोग एवं स्वागत कर वर वधु को आशीर्वाद दिया।

नशा- दुष्प्रभावों को अनदेखा न करें

डा. कनक रानी
पूर्व प्राचार्य

किसी भी देश की उत्कृष्टता एवं प्रगतिशीलता तद्देशवासियों की स्वस्थता, बौद्धिकता और सक्रियता पर निर्भर रहती है। यह विडंबना ही है कि समाज का एक बड़ा भाग मादक द्रव्यों के चंगुल में है, यह राष्ट्र के समुज्ज्वल भविष्य को चिंता में डाल रहा है। मादक द्रव्यों का सेवन अर्थात् नशा करना सामाजिक और मनोवैज्ञानिक समस्या है। संप्रति समाज के समक्ष नशावृत्ति की समस्या का उन्मूलन एक गंभीर चुनौती बनी हुई है। किशोरावस्था, युवावस्था में ही नहीं बाल्यावस्था में भी बढ़ती हुई यह कुवृत्ति सामाजिक स्वरूप पर बुरा प्रभाव छोड़ रही है। यही नहीं, नशे की यह आदत विद्यार्थियों को भी आकर्षित कर उनके भविष्य को धूमिल कर रही है। नशावृत्ति बाल तथा युवा पीढ़ी को शारीरिक व मानसिक रूप से कमजोर कर प्रत्यक्ष–परोक्ष रूप से राष्ट्रीय प्रगति को बाधित कर रही है। इसके आंकड़े अत्यंत भयावह हैं, इस कारण नशे के विरुद्ध सकारात्मक वातावरण का निर्माण और जनचेतना जरूरी है। समाज में इसका बढ़ता आकर्षण व दुष्प्रभाव विमर्श के लिए विवश कर रहा है।

तंबाकू, गुटखा, चरस, शराब, सिगरेट, ड्रग्स, कोकीन, हेरोइन, अफीम, गांजा आदि नशीली पदार्थों के कारण समाज में विकृतियां पनप रही हैं। स्पिरिट जैसे अन्यान्य द्रव्यों की सहज उपलब्धता से भी इस वृत्ति को बढावा मिल रहा है। नशीली दवाओं का दुरूपयोग समाज में अपने कदम जमा, हुए है। नकली शराब एवं नशीली दवाओं की ओवरडोज भी एक अन्य मुद्दा है। सबसे गंभीर बात तो यह है कि पश्चिमी सभ्यता व आधुनिकीकरण के प्रभाव में हमारे देश के युवा दिग्भ्रमित हैं। नशावृत्ति युवाओं की वैचारिक क्षमता–उत्कृष्टता को प्रभावित करती है। प्रतिष्ठा को मलिन करती है। नकारात्मकता विस्तारित करती है। आयु को क्षीण करती है। जीवन को उद्देश्यहीन करती है। अनेक प्रकार की बीमारियां नशे के दूरगामी दुष्परिणाम हैं।

इतना ही नहीं, महिलाओं में भी यह प्रवृत्ति बढ़ रही है। पाश्चात्य संस्कृति का अंधानुकरण, एकाकी जीवन, मानसिक दबाव, असफल प्रेम, पारिवारिक विघटन के कारण महिलाएं नशे के दलदल में गिर रही हैं। महिलाओं के जीवन में तो मद्यपान अत्यन्त खतरनाक है। गर्भपात का खतरा बढ़ता है। शिशुओं का स्वास्थ्य दुष्प्रभावित होता है। नशाखोर माता– पिता की संताने भी सकारात्मक विचारों से वंचित रहती हैं।

नशावृत्ति के दुष्प्रभाव से परिवार संस्थाएं भी अछूती नहीं रहीं। परिवार की सुख– शांति छिन रही है। घरेलू क्लेश बढ़ रहे हैं। परिवार टूट रहे हैं। आर्थिक विपन्नता घेर रही है। नशे से विवेकशून्य लोग अपनी धन–संपत्ति तक बेच डालते हैं। जो धन शिक्षा–स्वास्थ्य– सुख– शांति और जीवन स्तर को उंचा बनाने के लिए प्रयुक्त किया जाना चाहिए, उसका अपव्यय नशे में हो रहा है। परिवारी जन आर्थिक संकटों से जूझने को विवश हैं। धनाढ्य परिवारों में नशा एक स्टेटस सिंबल के रूप में देखा जा रहा है, इस अस्वस्थ सोच से बाहर आना जरूरी है। नशीले पदार्थ व्यक्ति में उचित–अनुचित–करणीय– अकरणीय के विवेक को क्षीण बनाते हैं। इस कारण वैयक्तिक–सामाजिक विकास अवरूद्ध होता है। यह प्रकरण युवाओं के स्वास्थ्य से नहीं, अपराधवृत्ति से भी जुड़ा हुआ है। निस्सन्देह, मादक द्रव्यों का असर शनैः शनैः व्यक्ति–समाज को विद्रूप बना रहा है। अनेक सामाजिक समस्याओं के मूल में नशे की आदत को देखा जा सकता है। नशे के कारण अपराध बढ़ते हैं। कितनी ही दुर्घटनाएं होती हैं। अनेक विवाद अंकुरित होते हैं। सामाजिक व्यवस्था प्रदूशित होती है।

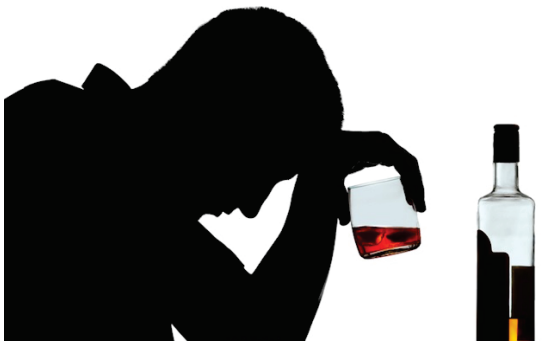

स्वस्थ समाज के विनिर्माण को लक्ष्यगत करते हुए नशामुक्ति के संदर्भ में सचेत करना और उपचार करना दो महत्वपूर्ण बिंदु हैं। मानसिक चिकित्सा के अनुसार यह एक बीमारी है। लोग इस बीमारी का उपचार करने के संदर्भ में सजग नहीं होते। स्मरणीय है कि उपचार की दिशा भी आशान्वित करती है। अस्तु, जीवन बहुमूल्य है। युवाओं का आकर्षण सकारात्मक कार्यों में होना चाहिए, न कि वैयक्तिक–सामाजिक छवि बिगाड़ने वाली नशावृत्ति में। स्वास्थ्य संरक्षणीय है, इस संदर्भ में सजगता अपेक्षित है। नशावृत्ति से निवृत्ति और स्वस्थ जीवन की ओर प्रवृत्ति वांछित है। ध्यातव्य है कि मादक द्रव्यों के माध्यम से मानसिक क्लेश से क्षणिक मुक्ति–आनंद का अनुभव करना भ्रम मात्र है। वस्तुतः नशा समाधान नहीं बल्कि एक गम्भीर समस्या हैं। अभिभावक अपने बच्चों को स्नेहिल निगरानी में रखते हुए संरक्षित करें।

मनुष्य को विनाश की ओर ले जाने के कारण नशा एक अभिशाप की तरह है। शासनिक प्रतिबंध के अतिरिक्त इससे छुटकारा पाने के लिए वैयक्तिक/ सामूहिक सक्रिय योगदान अपेक्षित है। इसकी भयावहता को संज्ञान में लाना और मादक द्रव्यों से विमुख करना प्रबुद्ध जनों–सामाजिक संगठनों का भी दायित्व है। शिक्षा के द्वारा नशे की दुष्परिणामों को अवगत कराना लाभकारी है। नशे से पीड़ित व्यक्ति में आत्मशक्ति को जगाना होगा ताकि वह इस आदत को छोड़ सके।

सकारात्मक प्रेरणा और जागरूकता ही नशे के संक्रमण से बचा सकती है। सुदृढ़ मानसिकता ही व्यक्ति को नशे से मुक्ति की दिशा दिखा सकती है। जाग्रति बढ़ाने वाले कार्यक्रमों के आयोजन, नशे के विरुद्ध अभियान नशे से विमुख करने में सहायक बन सकते हैं। विनाश की ओर बढ़ते हु, कदमों को थामना और नशा न करने के लिए संकल्पित करना हितकर है। अस्तु, नशा मुक्ति की दिशा में प्रयास कर सामाजिक सशक्तिकरण में सहयोगी बनें।

शरद राही डाक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित

मैजिक एंड आर्ट विश्वविद्यालय ने सांस्कृतिक कार्यो सराहनीय योगदान के लिए प्रदान की उपाधि

लोक पहल

शाहजहांपुर। हरियाणा प्रदेश के मैजिक एंड आर्ट विश्वविद्यालय ने युवक बिरादरी के प्रांतीय संचालक शरद राही को डॉक्टरेट की मानद उपाधि प्रदान की है।सांस्कृतिक माध्यम से राष्ट्रीय एकता स्थापित करने व समाज सेवा के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर प्रदेश व जनपद स्तरीय सम्मान प्राप्त करने पर विश्वविद्यालय ने मैजिक बुक ऑफ रिकॉर्ड में उनका नाम दर्ज करते हुए डॉक्टरेट की मानद उपाधि प्रदान की। मानद उपाधि से सम्मानित प्राप्त कर लौटे शरद राही ने बताया कि 1985 से सांस्कृतिक क्षेत्र के विकास में सक्रिय रहने के साथ युवक बिरादरी के 'एक सुर एक ताल अभियान' के अंतर्गत देश के लाखों छात्र छात्राओं व युवाओं को देश की विभिन्न भाषाओं के गीतों को सिखा कर राष्ट्रीय एकता के पोषण कार्य को प्रमुखता से करने पर उनका चयन किया गया। उन्होंने यह भी बताया कि विशेष रूप से उनके द्वारा उत्तर प्रदेश के दूसरे 'इंटरनेशनल वेव रेडियो रेडियो स्टेशन सिटी 27 'हैव नो टेंशन' के स्थापना कार्य को भी इस चयन प्रक्रिया में शामिल किया गया है।

श्री राही ने बताया कि इस समारोह में देश के विभिन्न प्रांतों की सैकड़ों प्रतिभाओं में से विश्वविद्यालय ने दिनांक 26.09.22 को अपने–अपने क्षेत्रों में सक्रिय चयनियत को नॉमिनेशन सर्टिफिफिकेट जारी करके उल्लेखनीय 21 प्रतिभाओं डॉक्टरेट मानद उपाधि प्रदान करने की है। हरियाणा के फरीदाबाद में हुए एक समारोह में श्री राही को डॉक्टरेट मानद उपाधि ष्मैजिक एंड आर्ट विश्वविद्यालय के कुलपति व मैजिक बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के प्रबंध निदेशक सी पी यादव की उपस्थिति व इंटरनेशनल वेलफेयर ह्यूमन राइट फाउंडेशन के स्टेट चेयरमैन सुरेंद्र सिंह नंबरदार की अध्यक्षता में हुए समारोह में सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया के एडवोकेट जनरल कर्नाटक सरकार के महात्मा गांधी ऑफ रिन्यूअल इंजीनियरिंग एंड डेवलपमेंट के कानूनी सलाहकार डॉ राजेंद्र शर्मा व महिला कुश्ती की राष्ट्रीय चौंपियन दिव्या आले ने संयुक्त रूप से प्रदान की।

अपराध के प्रति जीरो टालरेंस की नीत, जनता में होगा सुरक्षा की भावना का अहसासः अशोक मीणा

पत्रकारों से रुबरु हुए नवागत पुलिस कप्तान

लोक पहल

शाहजहांपुर। नवागत पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने पुलिस लाइन सभागार पत्रकारों से रुबरु हुए उन्होंने कहा कि शासन की मंशानुरूप जनता की समस्याओं का जनसुनवाई कर शत प्रतिशत निस्तारण, मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत महिलाओं की सुरक्षा, सशक्तिकरण एवं आत्मनिर्भर बनाने विशेष फोकस किया जाएगा। श्री मीणा ने कहा कि जनपद की यातायात व्यवस्था की गंभीरता पूर्वक समीक्षा की जाएगी तथा जनमानस को यातायात से संबंधित कोई भी असुविधा न हो इसके लिए निरंतर अभियान चलाकर यातायात के नियमों का पालन कराया जाएगा जिसके लिए क्षेत्राधिकारी यातायात एवं निरीक्षक यातायात सहित समस्त यातायात कर्मियों को आवश्यक कड़े दिशा निर्देश दिए जाएंगे। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि अपराध के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति एवं अवैध मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध शराब, अवैध शस्त्र के कारोबार में संलिप्त एवं टॉप 10 तथा क्रियाशील अपराधियों के विरुद्ध धरपकड़ अभियान चलाकर अपराध पर अंकुश लगाने की कार्यवाही की जाएगी।उन्होंने पुलिस कर्मियों से अपील की कि वह जनता के प्रति मृदुल व्यवहार तथा मानवीय दृष्टिकोण अपनाये। साथ ही जनता , व्यापारी वर्ग, महिलाओं , स्कूली छात्र छात्राओं सहित सीनियर सिटीजन को सुरक्षा की भावना जागृत कर सुरक्षा का अहसास कराया जाएगा।

नशामुक्ति के लिए स्वयं को रखें व्यस्त : मेजर कमल

लोक पहल

शाहजहांपुर। एसएस कालेज की एनसीसी यूनिट की ओर से अंतरराष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस के उपलक्ष्य में एक संगोष्ठी एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि सूबेदार मेजर कमल सिंह राणा ने कहा कि नशा युवा पीढ़ी को बरबाद करता जा रहा है। मादक द्रव्यों की एक बार लत लग जाने पर वह व्यक्तित्व को पूर्णतया खत्म कर देती है। जीवन में व्यस्तता होने पर नशे जैसी बुरी लत के लिए कोई जगह नहीं रहती।

भाषण प्रतियोगिता में मानसी मिश्रा ने प्रथम, लक्ष्मी मिश्रा ने द्वितीय एवं प्रशांत बाजपेयी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पोस्टर प्रतियोगिता में आकांक्षा मिश्रा एवं सुलोचना ने संयुक्त रूप से प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय स्थान पर लक्ष्मी मिश्रा, मानसी मिश्रा, परविंदर एवं प्रशांत तथा तृतीय स्थान पर पंकज प्रजापति, यशित रस्तोगी, सृष्टि गुप्ता एवं उपासना रहे। भौतिक विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ शिशिर शुक्ला के संचालन में हुए इस कार्यक्रम में अमित गंगवार ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में डॉ संदीप दीक्षित, चंदन गिरी गोस्वामी, शशांक गुप्ता, सत्यपाल, देवेंद्र कुमार सहित एनसीसी के कैडेट उपस्थित रहे।

बलिदान दिवस पर डा. श्याम प्रसाद मुखर्जी को दी श्रद्धांजलि

लोक पहल

शाहजहांपुर। भारतीय जनसंघ के संस्थापक और जम्मू कश्मीर से धारा 370 और 35 ए हटाने और बिना परमिट के प्रवेश एक देश में दो निशान दो विधान दो प्रधान नही चलेंगे का अभियान शुरू कर अपने प्राणों को बलिदान देने वाले डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान दिवस पार्टी कार्यालय पर मनाया गया। इस मौके पर महानगर अध्यक्ष अरुण गुप्ता ने कहा कि विश्व के पहले राष्ट्रीय पार्टी के अध्यक्ष है जिन्होंने अपने देश की सीमाओं की रक्षा के लिये प्राणों की आहुति दी। कार्यक्रम में एमएलसी डॉ सुधीर गुप्ता, प्रमोद गुप्ता, अंशुल सिंह, राजकमल बाजपेयी, सारंग मिश्रा, नितेश गुप्ता, अनूप सिंह, वैभव खन्ना, शिवओम सक्सेना, धीरेन्द सिंह, बंटी सक्सेना, अतुल दीक्षित, संजय कनौजिया, लाल सिंह यादव आदि लोग उपस्थित रहे।

नगर निगम में जनसुनवाई दिवस का आयोजन

छह शिकायतें मिली, तीन का मौके पर निस्तारण

लोक पहल

शाहजहांपुर। नगर आयुक्त संतोश कुमार शर्मा की अध्यक्षता में (सम्भव) के अन्तर्गत नगर निगम कार्यालय में जन–सुनवाई दिवस का आयोजन किया गया। जन–सुनवाई दिवस में नगर क्षेत्र से प्राप्त जन समस्याओं–शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना गया व जन–समस्याओं का गंभीरतापूर्वक संज्ञान लेते हुये संबन्धित विभागों के अधिकारियों–कर्मचारियों को निर्देशित किया गया कि प्राप्त शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर जन–सामान्य की संतुष्टि, समदृष्टि को ध्यान में रखते हुये ससमय निस्तारण कराया जायें। जन–सुनवाई दिवस में छह शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें से मौके पर ही तीन समस्या–शिकायत का मौके पर निस्तारण किया गया।

जनसुनवाई दिवस में अपर नगर आयुक्त एस0के0 सिंह, महाप्रबंधक जल सौरभ श्रीवास्तव, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज कुमार मिश्रा, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी राकेश कुमार सोनकर, सहायक अभियंता सिविल विपुल कुमार एवं नगर निगम के अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

संचारी रोगों की रोकथाम को घर-घर दस्तक देंगे स्वास्थ्यकर्ता

लोक पहल

शाहजहांपुर। जनपद में जनमानस को संचारी रोग से बचाने के लिए 1 जुलाई से विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान के जरिए टीबी, फायलेरिया, कुष्ठ और दिमागी बुखार और कुपोषण पर काबू पाने के लिए स्वास्थ्य विभाग की ओर से प्रयास किए जाएगे। यह जानकारी सीएमओ डॉ. आर. के. गौतम ने दी।

उन्होंने विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान से संबंधित सभी विभागों के अधिकारियों को पूर्ण रूप से सहयोग करने की अपील की। 17 से 31 जुलाई तक दस्तक अभियान के जरिए आशा व आंगनबाड़ी कार्यकर्ता (फ्रंट लाइन वर्कर्स) घर–घर दस्तक देकर संचारी रोग से ग्रसित मरीजों को खोजेंगी। जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. एस.के. गंगवार ने बताया कि इस अभियान में आशा व आंगनबाड़ी कार्यकर्ता बुखार के रोगियों की सूची, इन्फलुएंजा लाइक इलनेस रोगियों की सूची, क्षय रोग के लक्षण, फाइलेरिया युक्त व्यक्तियों की सूची, कुपोषित बच्चों की सूची, ई कवच पर बनाई जाएगी।

इस अभियान में शिक्षक दिमागी बुखार, कोविड–19 व अन्य संचारी रोगों से बचाव, रोकथाम व उपचार के लिए अभिभावकों को जागरूक करेंगे। बैठक में अंतर्विभागों के अधिकारियों समस्त चिकित्सा अधिकारी/प्रभारी चिकित्सा अधिकारी, एसएमओ डॉक्टर कुमार गुंजन, यूनिसेफ से एसआरसी आरिफ, डीएमसी हुदा जेहरा आदि लोग उपस्थित रहे।

विनोबा सेवा आश्रम में स्वावलम्बन प्रशिक्षु प्रमाण पत्र का वितरण

लोक पहल

शाहजहांपुर। विनोबा सेवा आश्रम एंव रोजा पावर सप्लाई कंपनी लिमिटेड के सहयोग से संचालित स्वावलम्बन उद्यमिता कौशल प्रशिक्षण केन्द्र की ओर से प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र वितरित किये गये। कार्यक्रम में 10 गांव के 40 लाभार्थी को, सिलाई, माटी कला, जैविक सब्जी उत्पादन, मोटर बाइक रिपेयरिंग, इलेक्ट्रीशियन के स्वावलंबन प्रमाणपत्र वितरण किये गये।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला खादी ग्रामोद्योग अधिकारी गजेंद्र सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के अंतर्गत सामान्य जाति के पुरुष को 25 प्रतिशत अनुदान तथा अन्य सभी जाति के पुरुष एवं महिला को 35 प्रतिशत अनुदान तथा 3 वर्ष तक ब्याज अनुदान के रूप में विभाग द्वारा दिए जाने का प्रावधान है।

विशिष्ट अतिथि रोजा पावर के उप महाप्रबंधक सीएसआर कुमार अवनीश ने कहा कि स्वावलंबन कार्यक्रम रोजा पावर सप्लाई कंपनी लिमिटेड का प्रमुख कार्यक्रम है। क्षेत्र के 40 युवाओं को स्वरोजगार स्थापित करने के लिए विनोबा सेवा आश्रम के सहयोग से प्रशिक्षित किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विनोबा सेवा आश्रम के संस्थापक रमेश भइया ने कहा हर उद्यमी को अपनी इकाई में 10 लोगों को जोड़ना है। गांव में अधिक से अधिक बेरोजगार लोगों को रोजगार संबंधी प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर गांधी एंव विनोबा जी की कल्पना को साकार करना है गांव में प्रेम और भाईचारा का वातावरण बनाना है। इस मौके पर रोजा पावर के सीएसआर सहायक प्रबंधक राजीव सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किये। विनोबा सेवा आश्रम के सचिव मोहित कुमार ने बताया कि सफल प्रशिक्षुओं को सरकार की योजनाओं से भी जोड़ा जायेगा। इस मौके पर कार्यक्रम प्रबंधक अखलाक खान ने कार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन जेडी अग्निहोत्री ने किया तथा आभार अशोक सिंह ने ज्ञापित किया।

सम्पादकीय

दोस्ती की राह पर मिस्र और भारत

लगभग दो दशक पूर्व मिस्र और भारत गुटनिरपेक्ष आन्दोलन के दौरान एक दूसरे के काफी नजदीक थे। गणतंत्र दिवस पर मिस्र के राष्ट्रपति को मुख्य अतिथि बनाकर भारत में सम्बन्धों में नई जान डालने का काम किया था इसके बाद अमेरिका के दौरे के उपरान्त प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दो दिवसीय दौरे पर मिस्र पहुंचे। पीएम मोदी की मिस्र यात्रा कई मायनों में अहम है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यह यात्रा भी खासी अहम मानी जा रही है। न केवल दोनों देशों के आपसी रिश्तों के लिहाज से बल्कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति के व्यापक समीकरणों के नजरिए से भी इस यात्रा के कई निहितार्थ गौर करने लायक हैं। ध्यान रहे, प्रधानमंत्री की इस यात्रा से पहले इसी साल मिस्र के राष्ट्रपति अल–सिसी गणतंत्र दिवस के मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थे। उससे पहले सितंबर में भारत के रक्षा मंत्री और फिर अक्टूबर में विदेश मंत्री मिस्र की यात्रा पर गए थे। जाहिर है, पिछली सदी में गुटनिरपेक्ष आंदोलन में साथ–साथ लंबी पारी खेल चुके दोनों देश नई सदी में अपने रिश्तों को नई ऊंचाई देने को प्रतिबद्ध हैं। इस यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मिस्र के राष्ट्रपति अल–सिसी का ऐतिहासिक सामरिक भागीदारी समझौते पर हस्ताक्षर करना और

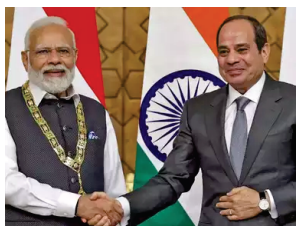

पीएम मोदी को मिस्र का सर्वोच्च सम्मान– ऑर्डर ऑफ द नाइल– प्रदान किया जाना दोनों देशों के इसी संकल्प के संकेत हैं। ऐसे संकेत और भी हैं। इसी साल सितंबर में भारत में होने वाले जी–20 शिखर सम्मेलन में मिस्र को विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। मिस्र ब्रिक्स का भी सदस्य बनना चाहता है और भारत इसमें भी उसका समर्थन कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मिस्र के राष्ट्रपति के बीच हुई वार्ता से यह बात निकलकर आई है कि दोनों देश आने वाले दौर में आपसी सहयोग के फायदों को अच्छी तरह समझ रहे हैं। भारत जहां दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है और कोरोना महामारी के बाद यूक्रेन युद्ध के चलते चुनौतियों से जूझते मिस्र को सहारा दे सकता है, वहीं मिस्र भी अपने स्ट्रैटेजिक लोकेशन के चलते भारत के लिए कई तरह से मददगार हो सकता है। यह न केवल एशिया को अफ्रीका से जोड़ता है बल्कि स्वेज नहर के जरिए पूरे एशिया को भूमध्यसागर और यूरोप से जोड़ता है। यह 11 करोड़ की आबादी वाला सबसे बड़ा अरब देश है। मुस्लिम विश्व के सबसे प्रभावशाली देशों में शुमार होता है। इस बिंदु पर यह भी याद रखने की जरूरत है कि प्रधानमंत्री ने अफ्रीकन युनियन को जी–20 में जोड़ने का प्रस्ताव किया है। यह पहल न केवल अफ्रीकी देशों के साथ भारत के भावनात्मक जुड़ाव को मजबूती देगी बल्कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति में भारत के प्रभाव में भी इजाफा करेगी। मिस्र के जरिए इन देशों तक पहुंच बनाना भारत के लिए आर्थिक और व्यापारिक सहयोग की नई संभावनाओं के द्वार खोल सकता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मिस्र यात्रा को केवल कुछ एमओयू पर हस्ताक्षर तक ही सीमित न माना जाए बल्कि दोनो देश आपस में मिलकर तमाम मुद्दों पर एक ठोस राय के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने को तैयार है। बेशक ये कृषि और पुरातत्व जैसे कुछ खास क्षेत्रों में सहयोग की ठोस जमीन तैयार करते हैं लेकिन दोनों देश सहयोग की जो संभावनाएं आगे देख रहे हैं, जो आने वाले समय में दोनो देशों के रिश्तों को सद्भावपूर्ण और मजबूत बनाने में काफी मददगार साबित होंगे।

युवाशक्ति को निगलती नशे की लत

शिशिर शुक्ला
शाहजहांपुर

किसी देश का किशोर एवं युवा वर्ग उसकी समृद्धि एवं विकास की आधारशिला होता है। राष्ट्र के भविष्य को सुरक्षित एवं स्वर्णिम बनाने के लिए यह नितांत आवश्यक है कि वहां की युवा पीढ़ी नैतिकता के साथ–साथ सही दिशा की ओर उन्मुख हो। युवाओं की दिशाहीनता निश्चित रूप से समाज एवं राष्ट्र को पतनोन्मुख कर देती है। हाल ही की एक रिपोर्ट के अनुसार अगले दस वर्षों में मादक पदार्थों के दुरुपयोग की लत विकराल रूप धारण कर सकती है। रिपोर्ट के अनुसार इसका सर्वाधिक प्रभाव 10 से 17 वर्ष की आयु के बच्चों पर पड़ेगा। भारत सरकार के परिवार कल्याण एवं स्वास्थ्य विभाग के फैमिली हेल्थ सर्वे की रिपोर्ट के अनुसार शहरी क्षेत्रों की अपेक्षा ग्रामीण क्षेत्रों में तंबाकूयुक्त पदार्थों की बिक्री डेढ़ गुना अधिक है। शहरी क्षेत्र में 28.8 प्रतिशत एवं ग्रामीण क्षेत्र में 42.7 प्रतिशत पुरुष किसी न किसी रूप में तंबाकू का सेवन करते हैं। आश्चर्यजनक बात तो यह है कि नशे की प्रवृत्ति महिलाओं में भी बहुत तेजी से बढ़ रही है। यदि वैश्विक स्तर पर बात की जाए तो भारत में 15 वर्ष से अधिक उम्र के 38 प्रतिशत पुरुष एवं 8 प्रतिशत महिलाएं तंबाकू का सेवन करते हैं।

युवाओं में नशे की लत बहुत तेजी से बढ़ती जा रही है। नित्य प्रति गंभीर रूप लेती जा रही इस भीषण समस्या के पीछे उत्तरदायी कारणों पर दृष्टिपात करना बेहद जरूरी है। आजकल युवाओं एवं किशोरों के सामने अनेकों चुनौतियां एवं समस्याएं जीवन की राह में रोड़ा बनकर खड़ी हैं। जो युवा बेरोजगार हैं, वो चिंता के दबाव में आकर उसे नशे की सहायता से दूर करने का निष्फल प्रयास कर रहे हैं। ऐसे युवा जो आजीविका हेतु किसी कार्यक्षेत्र में लगे भी हैं, वो अपने कार्यक्षेत्र के आंतरिक माहौल अथवा कामकाज के बढ़ते दबाव के कारण मानसिक शांति से दूर होते जा रहे हैं। दूसरा एक महत्वपूर्ण बिंदु यह है कि आज का माहौल भागदौड़, आपाधापी एवं प्रतिस्पर्धा से युक्त है। प्रत्येक व्यक्ति स्वयं से असंतुष्ट है क्योंकि वह अपना आकलन सदैव दूसरों के सापेक्ष करता है। बेरोजगार युवाओं का खालीपन उन्हें नशे की ओर धकेल रहा है क्योंकि बेरोजगारी मानसिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है। मानसिक कष्ट से मुक्ति पाने के लिए युवा स्वयं को नशे के चंगुल में फंसा देता है। एक अन्य उल्लेखनीय एवं विचारणीय तथ्य यह है कि आधुनिक युवावर्ग फिल्मी अभिनेताओं एवं अभिनेत्रियों को अपना रोल मॉडल मानता है। फिल्मी नायक व नायिकाएं नशे के उत्पादों का प्रचार इतनी चमक दमक के साथ करते हैं कि युवाओं के मध्य ऐसा संदेश जाता है मानो नशा करना एक उच्च कोटि की नैतिकता हो। युवाओं का नशे के रास्ते पर चलने का गंभीर दुष्परिणाम यह हो रहा है कि युवावर्ग अवसादग्रस्त होता जा रहा है। अमेरिका में हुए एक अध्ययन में सामने आई जानकारी के अनुसार नशे की लत से युवा अवसाद एवं तनाव से ग्रस्त होने के कारण शारीरिक एवं मानसिक समस्याओं की चपेट में आते जा रहे हैं। मादक पदार्थों का सेवन करने वाले युवाओं में सोचने एवं निर्णय लेने की क्षमता का ह्रास, एकाग्रता में कठिनाई, स्मृति में कमी, समस्याओं का हल ढूंढने की क्षमता में कमी इत्यादि दुष्प्रभाव देखे गए हैं। और तो और, नशे की गिरफ्त में आने के बाद युवाओं में आत्महत्या की प्रवृत्ति भी देखी गई है। वस्तुतः मस्तिष्क का समुचित विकास पच्चीस वर्ष की आयु तक ही हो पाता है। विभिन्न प्रकार की भावनाओं को नियंत्रित करना, अनेक प्रकार की परिस्थितियों एवं तनावों को झेलना, कठिन एवं मुश्किल पलों में निर्णय लेने की क्षमता, सोचने विचारने एवं तर्क करने की शक्ति इत्यादि का विकास बीस से पच्चीस वर्ष की आयु तक ही हो पाता है। जाहिर सी बात है कि जो युवा बीस वर्ष की आयु से पूर्व ही किसी कारणवश नशे की गिरफ्त में आ चुका है, वह हर हालत में इन क्षमताओं को प्राप्त करने से वंचित रह जाएगा। इसके अतिरिक्त किशोर वर्ग में एक अन्य विशिष्ट प्रकार का नशा जो बहुत तेजी से उन्हें अपनी गिरफ्त में जकड़ रहा है, वह है सोशल मीडिया एवं ऑनलाइन गेमिंग का नशा। अधिकतर किशोर वर्ग यूट्यूब, फेसबुक, इंस्टाग्राम आदि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों एवं ऑनलाइन गेम्स में एक सीमा से अधिक समय बर्बाद कर रहा है। यह वो समय है जिसका सदुपयोग उसे अपने कैरियर को दिशा देने के लिए करना चाहिए। कितनी दुर्भाग्यपूर्ण बात है कि वास्तविक खेल जो शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए किसी निशुल्क औषधि की तरह होते हैं, उन्हें छोड़कर आजकल के बच्चे निरर्थक काल्पनिक ऑनलाइन खेलों में उलझे हुए हैं। खास बात तो यह है कि इस नशे में समय किस गति से बर्बाद होता है, इसका अंदाजा लगाना बहुत मुश्किल है। कुल मिलाकर निष्कर्ष यह है कि चाहे मादकद्रव्य व्यसन हो अथवा ऑनलाइन गेमिंग, दोनों ही नशे युवा पीढ़ी के लिए नितांत घातक हैं। एक बार इनकी लत लग जाने पर इनसे मुक्ति पाना उतना ही मुश्किल है, जितना कि कैंसर जैसे रोग से मुक्ति पाना। व्यक्तिगत एवं शासन स्तर से जागरूकता एवं सतर्कतापूर्ण कदम उठाते हुए इस संबंध में कठोर कानून बनाए जाने की महती आवश्यकता है, ताकि युवावर्ग के मन में नशे को लेकर भय का भाव उत्पन्न हो। साथ ही साथ किशोरों एवं युवाओं के लिए कुछ विशेष ब्रेनवाश कार्यक्रम भी आयोजित किए जाने चाहिए ताकि हमारे देश का भविष्य अंधकूप की राह पर अग्रसर होने से बच सके।

ग्लोबल वार्मिंग

हन्नान
शाहजहांपुर

ग्लोबल वार्मिंग जिसे हिंदी में वैश्विक तपन कहते हैं इस ग्लोबल वार्मिंग का कारण है घटती जैव विविधता जो कि शहरीकरण या मनुष्य के दोहन के कारण घटती है दूसरा प्रमुख कारण है घटता जल स्तर तीसरा और महत्वपूर्ण कारण होता है आधुनिक युग में प्रयोग होने वाली वस्तुएं जैसे एसी फ्रिज जो अत्यधिक मात्रा में क्लोरोफ्लोरोकार्बन का उत्पादन करते हैं जिससे ना केवल ग्लोबल वार्मिंग बढ़ती है बल्कि मनुष्य में हानिकारक रोग भी उत्पन्न होते हैं

दरअसल लगातार घटती जैव विविधता बढ़ती आबादी और आधुनिकरण के इस युग में लगातार पृथ्वी का ताप बढ़ रहा है वैज्ञानिकों के अनुसार पिछले लगभग एक शतक में तकरीबन 1 डिग्री सेल्सियस पृथ्वी का तापमान बड़ा है इसके पीछे कारण है कि मानव द्वारा लगातार जैव संपदा का दोहन किया जा रहा है और नदियों तालाबों को पाटकर घर बनाया जा रहा लगातार हो रहे शहरीकरण के कारण के इस युग में पेड़ पौधों लगातार काटे जा रहे हैं और लोग इस पर बिल्कुल भी ध्यान नहीं देते हैं। हालत यहां तक पहुंच रही है की बढ़ते ताप के कारण केवल मानव को ही नहीं बहुत से जंतुओं पक्षियों और सूक्ष्मजीवों को भी

नुकसान हो रहा है पृथ्वी का ताप बढ़ने के कारण मृदा में रहने वाले तमाम सूक्ष्मजीव मिरत हो जाते हैं जिस कारण किसानों को खेतों में खाद लगानी पड़ती है और ये रासायनिक खाद भी प्रदुषण को बढाती है लगातार घटती जैव विविधता के कारणबहुत सी जैव विविधता जो आवश्यक है लगातार नष्ट हो रही है उदाहरण के तौर पर हम अपने शहर शाहजहांपुर की बात करें तो शहर के प्रख्यात इतिहासकार डॉ विकास खुराना के अनुसार शाहजहांपुर पहले जैव विविधता की दृष्टि से संपन्न हुआ करता था लोग अंग्रेज शासन काल में गर्मियों की छुट्टी बिताने यहां आया करते थे यहां पर तालाबों और झीलों की संख्या अत्यधिक थी जिस कारण यहां पर जंतुओं की संख्या भी अधिक थी परंतु लगातार होते शहरीकरण के कारण हम देख सकते हैं गर्रा और खन्नौत नदी भी बिल्कुल ना के बराबर बह रही है जिसके कारण उसके किनारों पर मौजूद पेड़ पौधे खत्म हो रहे हैं और लोग वहां घर निर्माण कर रहे है। विज्ञान पत्रिकाओं में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार दुनिया की सादे पानी की झीलों में से लगभग आधी झीलें या तो सूख गई हैं या सूखने के कगार पर हैं झीलों के आसपास दुनिया के 25 फीसदी लोग रहते हैं दरअसल विज्ञान जगत और सरकारों ने जंगलों और नदियों पर तो बहुत ध्यान दिया लेकिन घटती झीलों और तालाबों पर कोई ध्यान नहीं दिया जिस कारण पीने के पानी की बहुत समस्या हो जाती है और इस गर्मी के मौसम में जो जंतु और मनुष्य पहले झीलों और तालाबों से पानी पिया करते थे आजकल वह संभव नहीं है क्योंकि अधिकांश तालाब व चीजें समाप्त हो चुकी हैं और जो बची है उनमें पीने लायक पानी नहीं है।

प्रदूषित महासागर मानव जीवन के लिए खतरा

वैसे तो प्रदूषण देश के हर भाग में फैलता जा रहा है। नदियां हो या तालाब जन–जंदल जमीन हर जगह प्रदूषण फैल रहा है लेकिन हाल के वर्षों में महासागरों में बढ़ता प्रदूषण चिंता का विषय बनता जा रहा है। अरबों टन प्लास्टिक का कचरा हर साल महासागरों में समा जाता है। आसानी से विघटित नहीं होने के कारण यह कचरा महासागरों में जस का तस पड़ा रहता है। अकेले हिंद महासागर में भारतीय उपमहाद्वीप से पहुंचने वाली भारी धातुओं और लवणीय प्रदूषण की मात्रा प्रतिवर्ष करोड़ों टन है।

महासागर हमारी पृथ्वी पर न सिर्फ जीवन के प्रतीक हैं, बल्कि पर्यावरण संतुलन में भी प्रमुख भूमिका अदा करते हैं। पृथ्वी पर जीवन का आरंभ महासागरों से माना जाता है, जिनमें असीम जैव विविधता का भंडार समाया है। पृथ्वी का लगभग सत्तर प्रतिशत भाग महासागरों से घिरा है। पृथ्वी पर उपलब्ध समस्त जल का लगभग सत्तानबे प्रतिशत जल महासागरों में समाया हुआ है। हर साल आठ जून को दुनिया भर में विश्व महासागर दिवस मनाया जाता है। हर साल विश्व महासागर दिवस के अवसर पर दुनिया भर में महासागर से जुड़े विषयों पर विभिन्न आयोजन किए जाते है। आज जब विश्व की कुल जनसंख्या का तीस प्रतिशत तटीय क्षेत्रों में निवास करता है तो ऐसी स्थिति में महासागर उनके लिए खाद्य पदार्थों का प्रमुख स्रोत साबित हो सकते हैं। सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक रूप से महत्त्वपूर्ण होने के कारण महासागर अत्यंत उपयोगी हैं। पृथ्वी पर जीवन का अस्तित्व यहां उपस्थित वायुमंडल और महासागरों जैसे कुछ विशेष कारकों के कारण ही संभव हो पाया है।

महासागर खाद्य पदार्थों का एक प्रमुख स्रोत होने के कारण हमारी अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में महत्त्वपूर्ण योगदान देते हैं। आज विज्ञान और प्रौद्योगिकी की मदद से महासागरों से पेट्रोलियम सहित अनेक महत्त्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधनों को निकाला जा रहा है। इसके अलावा जलवायु परिवर्तन सहित अनेक मौसमी घटनाओं को समझने के लिए समुद्रों का अध्ययन भी महत्त्वपूर्ण है। पृथ्वी पर जीवन की उत्पत्ति महासागरों में ही हुई है। आज भी महासागर जीवन के लिए आवश्यक परिस्थितियों को बनाए रखने में सहायक हैं। महासागर पृथ्वी के एक तिहाई से अधिक क्षेत्र में फैले हैं। इसलिए महासागरीय पारितंत्र में थोड़ा–सा परिवर्तन पृथ्वी के समूचे तंत्र को अव्यवस्थित करने का सामर्थ्य रखता है। वर्तमान में मानवीय गतिविधियों का प्रभाव समुद्रों पर भी दिखाई देने लगा है। तेलवाहक जहाजों से तेल के रिसाव के कारण और समुद्री जल के मटमैला होने पर उसमें सूर्य का प्रकाश गहराई तक नहीं पहुंच पाता है, जिससे वहां जीवन को पनपने में परेशानी होती है और उन स्थानों पर जैव–विविधता भी प्रभावित होती है।

वेदना

अपनी सारी व्यथा वेदना, मैंने शब्दों में भर दी।
अपनी मन की बात, सारी मैंने छंदों में कर दी।
बैठकर पनघट पर भी, घट रह गए हैं प्यासे।
घट भी रोए मेरे संग, बूँद-बूँद अंसुवन से
अपनी प्यास बुझाई।
देकर आवाज सावन को, मैंने खुशी उधार मांगी।
भीगा गया मुझको वह, मेरे नैनों से ही नीर बहाई।
मेरी विरह वेदना सुनकर, हवा को भी तरस ना आई।
बिखेर गया कांटे राहों पर कांटो पर ही चलकर,
लहूलुहान तेरी हवेली तक आई।
पहुंचकर तेरी चौखट पर, खुशी से मैं अकुलाई।
नाम लेकर जब तुम्हें पुकारा। सौतन संग तेरी परछाई लहराई।
कह ना पाई तुमको कुछ भी। आंसुओं संग मुस्काई।
प्यार अधूरा लेकर मैं अपनी वेदना में ही सिमट गई।
अंधेरों में दिया जला कर, दीवारों संग रात बिताई।
काजल को ही स्याही बनाकर। अपनी सारी व्यथा सुनाई।
बिखर गए शब्द मेरे। वेदना से मेरी लेखनी लड़खड़ाई।
रुदाली सा चित्कार उठा मन। देखकर प्रिय तेरी हरजाई।

राजश्री सिन्हा
सोफिया (बुल्गारिया)

बेजोड़

लघुकथा

मीरा जैन
उज्जैन

हाथ जोड़ अभिवादन करते हुए गांव के मुखिया जी ने नाराजी भरे स्वर मे कहा–'क्षमा करें मास्टर जी ! आपकी बहुत इज्जत करता हूं लेकिन मै इस बात से खफा हूं कि इस भीषण गर्मी में जब बच्चों की स्कूल की छुट्टियां चल रही हैं उनके खेलने खाने के दिन है और आपने उन्हें पक्षियों के लिए दाना और पानी की व्यवस्था का जिम्मा सौंपा दिया आप मुझसे ही कह देते तो आराम से पक्षियों के लिए सारी व्यवस्था हो जाती, आपको तो ज्ञात ही है कि पर्यावरण एवं पशु–पक्षियों का ख्याल रखना मेरे स्वभाव में शामिल है कल से मेरा एक आदमी आयेगा कहां कितना दाना और पानी चाहिए रख जायेगा।'

मास्टर जी ने विनम्रतापूर्वक अपनी बात रखी–'आप नाराज मत होइए मुखिया जी ! मुझे मालूम है आप सभी से खूब स्नेह रखते हैं , यह काम तो आपके बाएं हाथ का खेल है, मै स्वयं भी इस काम को नियमित कर सकता था क्योंकि मेरा घर तो यहीं पास ही है किंतु मैं चाहता हूं बच्चों में अन्य संस्कारों की तरह इस ओर भी रुझान जागृत हो, वे सप्ताह में एक दिन कुछ समय पक्षियों के लिए तो निकाल ही सकते हैं सुबह सुबह मुट्ठी भर अन्न एवं कटोरी भर पानी यदि वे स्वयं लाकर इन पेड़ों के चबूतरे पर आकर रखेंगे तो सुबह भ्रमण के कारण उनका स्वास्थ ठीक रहेगा साथ ही उनके हृदय में कार्य करने की प्रवृत्ति, उदारता, परोपकारिता तथा स्नेह के भाव स्वयंमेव ही जागृत होंगे, यह कार्य मैंने उन पर थोपा नहीं बल्कि इस कार्य की रुपरेखा उनके समक्ष रखी जिसे सुन सारे बच्चे बेहद खुश हो गए और सभी ने एक सुर मे अपनी स्वीकृति प्रदान कर दी , मैंने उनके नामों की सप्ताह भर की तालिका भी बना दी है वे नियमानुसार यह कार्य करेंगे, यह कोई छोटा कार्य नहीं मुखिया जी, श्रेष्ठ आचरण की नींव है।' मास्टर जी के भाव सुन मुखिया जी भी भाव विभोर हो उनकी तारीफ किये बिना रह नहीं सके।

अहंकार

बोध कथा

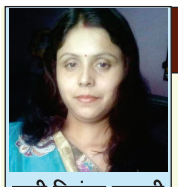

रानी प्रियंका वल्लरी
हरियाणा

देवनगर में एक सेठ रहते थे। बहुत ही उपकारी स्वभाव था उनका। उन्होंने कई मंदिर,विद्यालय,पुस्तकालय अस्पताल बनवाये थे। समय समय पर कई गरीब लड़कियों की शादी भी करवाते रहते थे। उनके कामों की चर्चा दूर–दूर तक लोग तरह–तरह से करते थे। फिर भी सेठ जी मन ही मन अशांत रहते थे। उनका मन हमेशा विचलित रहता था। वे इसका कारण नहीं समझ पाते थे।
एक दिन उनके गांव के मंदिर में एक शास्त्री पहुँचे। शास्त्री के आने की खबर सेठ जी तक पहुंची। वे बहुत ही प्रसन्न हुए। मन ही मन सोचने लगे शायद शास्त्री जी मेरी अशांति का निराकरण कर दें। उन्होंने शास्त्री जी को बुलाबा भेज कर घर आने के लिए आमंत्रित किया। लेकिन शास्त्री जी ने आने से मना कर दिया। उन्होंने संवाद भिजवाया कि संतों के लिये एकांत ही अच्छा हैं। सेठ जी यह सुन कर अफरा तफरी में शास्त्री जी के पास पहुँचे। कहने लगे, 'प्रभु मैं दिन रात लोगों के सेवा में तत्पर रहता हूँ। फिर भी मेरा मन बराबर अशांत रहता है। मेरी समस्या का समाधान बताने की कृपा करें ।' 'आप जो समाज सेवा करते हैं उसका प्रचार–प्रसार भी कराते हैं। इससे आपके अहं की तुष्टि होती है। लेकिन साथ ही अहंकार पैदा होता है। यही अहंकार आपकी अशांति का कारण है। इस प्रचार प्रसार से बचें। आप चिंतामुक्त रहेंगे।' शास्त्री जी की बातें सुन सेठ जी की आंखे खुल गई। वे अहंकार का पल्ला झाड़ मंदिर से बाहर निकले। घर लौट उन्होंने अपने कारिंदों को बुलाया और समाज सेवा के नाम पर उनके नाम की तख्ती जहां कहीं भी लगी थी उसे हटा देने का आदेश दिया। अब सेठ जी के मन से चिंता विलुप्त हो चुकी थी।

गीतिका

उसके नाम पे मैने, यारो
मुहब्बत उधार रहने दिया
टूटा हुआ दिल था मेरा
फिर भी प्यार रहने दिया

घायल अपने दिल को हमने
यूँ बीमार रहने दिया
रखेगी वो दिल पे हाथ
ये इंतजार रहने दिया

मलय चक्रवर्ती, लखनऊ

स्मार्टफोन की स्मार्ट मुसीबत

हास्य व्यंग्य

एक थे चंपकलाल पहले वह थे और उनकी खुशहाल जिंदगी थी। एक हंसती मुस्कुराती दुनिया जिसमें एक आज्ञाकारी पत्नी थी। जो उनके एक आवाज पर दौड़ी चली आती थी जिसकी सुबह और शाम चंपकलाल को ही देखकर हुआ करती थी। फिर उनके जीवन में शनि की महादशा शुरू हुई उनका बुरा वक्त आ गया ।जो पत्नी उनकी सुनती थी अब उन्हें रात दिन सुनाती है। आत्मा को जो चोट लगती है सो लगती है जेब को भी चोट लगाती है। पहले उसका महीने का खर्च दो चार सौ था अब हजारों में है।

रेखा शाह आरबी
बलिया

देखिए ऐसा कैसे हुआ..एक दिन चंपक लाल की मति मारी गई। उन्होंने अपनी पत्नी से उसके जन्मदिन पर पूछा 'तुम्हें अपने जन्मदिन पर उपहार में क्या चाहिए' 'अपनी पड़ोसन मिसेज चंद्रा के जैसे बिल्कुल लेटेस्ट मॉडल का स्मार्टफोन मुझे चाहिए'– पत्नी बोली। चंपकलाल जी मूर्ख और नादान थे। सोचा घर में सब के पास स्मार्टफोन है सिर्फ पत्नी के पास नहीं है देने में कोई बुराई नहीं है आजकल छोटी–छोटी बच्चियां लेकर घूम रही हैं अनपढ़ मूर्ख गवार भी लेकर घूम रहे हैं । तो मेरी श्रीमती तो पढ़ी लिखी और स्मार्ट महिला हैं और ज्यादा से ज्यादा स्मार्ट फोन से क्या करेंगी। अपने मायके और रिश्तेदारों से बात करेगी अतः उन्होंने एकदम नया लेटेस्ट मॉडल लाकर दे दिया।
लेकिन चंपकलाल जी को यह नहीं पता था स्मार्टफोन सिर्फ नाम के लिए स्मार्ट नहीं है वह अपने चलाने वाले को भी स्मार्ट बनाता है। सुबह से शाम नहीं हुआ सर्वप्रथम उसमें फेसबुक उसके बाद इंस्ट्रा उसके बाद ट्विटर उसके बाद हर सोशल मीडिया साइट पर विजिट कर चुकी थी।
चंपकलाल जी यह देखकर हैरान रह गए कि मात्र एक से दो दिन में हजारों फ्रेंड और फॉलोअर्स बन गए जाने यह खाली खुली बैठे लोग आते कहां से हैं। जिस पत्नी का सजना सवरना सिर्फ चंपकलाल जी के लिए था अब उसको सराहना के लिए हजारों लोग हैं। जिस पत्नी का समय काटे नहीं कटता था अब उसको समय अभाव रहने लगा। अब चंपकलाल जी का हाल यह है कि उन्हें पहले उनकी पत्नी उनके खाली समय की राह देखती थी और अब यह आलम है कि चंपकलाल जी को राह देखनी पड़ती है कि कब पत्नी देवी खाली हो। जो कभी होती ही नहीं है।
ऐसा नहीं है कि चंपकलाल जी को किसी ने पत्नी को स्मार्टफोन देने के यह मूर्खता भरा कदम उठाने के लिए मना नहीं किया था। चंपकलाल जी के बच्चों ने भरपूर कोशिश की थी कि....'पापा मम्मी को स्मार्टफोन मत दिलवाइए... क्यों अपने सुखमय जीवन को दुखी बनाना चाहते हैं पापा आपको शायद पता नहीं है लेकिन एक बार मम्मी के हाथ में स्मार्टफोन आ गया तो आप के खर्चे बढ़ जाएंगे आप तरस जाओगे कि पांच मिनट आपके ऊपर ध्यान दें'।
लेकिन चंपकलाल जी ने बच्चों की बातें बचपना मानकर अनसुना कर दिये थे। सत्य ही कहा गया है बच्चे भगवान का रूप होते हैं और चंपकलाल जी ने अपने भगवान की नहीं सुनी। जिसकी सजा कभी जली हुई रोटी तो कभी कभी जली हुई सब्जी के रूप में खा रहे हैं। अपने तो खुद भुगत रहे हैं और अब दूसरों को आगाह कर करके समझा रहे हैं कि... भैया सब कुछ करना लेकिन पत्नी को स्मार्टफोन मत दिलवाना। क्योंकि एक बार यह दे दिया। आपकी क्या किसी की भी नहीं सुनती वैसे तो पहले भी किसी की सुनती नहीं थी। कुछ बंटाधार सास बहू वाले सीरियलों ने पहले ही कर रखा था और जो रही सही कसर थी अभी यह स्मार्टफोन पूरा कर रहा है। आप भी चंपकलाल की बातों पर गौर फरमाइएगा हो सकता है आप का भी भला हो जाए।

गजल

जब खयालों से हम फिसलते हैं।
जाने कितने सवाल जलते हैं।

चोट दर चोट रोज खाते हैं,
और फिर भी नहीं सँभलते हैं।

कत्ल के चश्मदीद होकर भी,
लोग मकतल से बच निकलते हैं।

आजमाना कभी नहीं उनको,
लोग जो प्यार में मचलते हैं।

जो न गहरे खयाल वाले हैं,
लोग ऐसे बहुत उछलते हैं।

हाशिया ही है मिलकियत उनकी,
वक्त के साथ जो न ढलते हैं।

वक्त की कद्र जो नहीं करते,
'ज्ञान' वो सिर्फ हाथ मलते हैं।

ज्ञानेन्द्र मोहन 'ज्ञान'

गजल

न महफिल में कोई फिलहाल मेरा।
करेगा कौन इस्तिकबाल मेरा।

मुकर जाना ही वाजिब है तुम्हारा,
कोई जब पूछ बैठे हाल मेरा।

सरोवर भर गया जलकुंभियों से,
उलझता जा रहा है जाल मेरा।

इमोजी से फकत बहला रहा है,
कभी तो चूम आकर गाल मेरा।

कई अपनों ने इतने रंग बदले,
बड़ा रंगीन बीता साल मेरा।

हरारत जिस्म की सब मिट गई है,
मेरी माँ ने जो चूमा भाल मेरा।

मिले 'ऋतुराज' गर संगत तुम्हारी,
सँभल सकता है ये सुर-ताल मेरा।

विकास सोनी 'ऋतुराज'

रिश्तों की तिजारत

रिश्तों के अंदर अब तू
रिश्तों की मक्कारी देख,
भाई–बहन के अमर प्रेम पर
चलती रोज कटारी देख।
बाप–बेटों में रोज ठनकती
जायदाद की बलिहारी देख,
भाई–भाई के खून का प्यासा
कलियुग की होशियारी देख।
पति–पत्नी के बीच कचहरी
मुरझाती फुलवारी देख,
मां–बेटे भी आ गए जद में
ममता पर चली कुल्हाड़ी देख।
वृद्धाश्रमों की भीड़ में घुसकर
अपनों की अय्यारी देख,
प्रेम–प्यार और कसमें वादे
प्यार पगी गद्दारी देख।
यार–दोस्ती मतलब की है
चढ़ता रंग बाजारी देख,
श्रद्धा को आफताब ले गया
सूटकेस में आरी देख।

बलराम शर्मा

सरिता बाजपेयी 'साक्षी'
शाहजहांपुर

खबरिया चैनल

गतांक से आगे.....शायद कुछ बचा हो ? ! मगर सरसरी दृष्टि हेडिंग पर या टीवी पर। 'अभी परसों की बात है, घमासान डिबेट चल रही थी, कि बिजली नदारत, अखबार उठा के आलस में उत्तर दिशा में खुपडिया घुमाके अखबार में तल्लीन होते भए नींद में समा गए । अचानक पत्नी कमरे में आई तो दृष्टिपात कर दहाड़ना शुरु, कर दिया। अरे भगवान! दक्षिण को पैर कर के सो रहे हो, 'काये? जाने आदमी का दिमाग है कि घोड़े का ?! जाने कब अकल आयेगी? (बडबडातो हुई) 'अब क्या आयेगी '? 'पूरी तो कट गई!, किसे आदमी बना दिया? कतई मूरख! पत्नी के कंठ से तार सप्तक स्वर दीवारों से टकराकर जब उनके श्रवण तंत्र से टकराये तो हड़बड़ाहट में आंख खुली ही गई,। सामने काली छाया के आभास में जानबूझ कर आंखें मिचमिचाते भये, लो! (उठ गए) 'चिरंजीलाल को टकटकी लगा के दो आंखें घूरती रही' मगर! बेफिक्र! घूरें हमें का मतलब? बाथरूम से निकल खानें की मेज पर आसन लगा दिया । 'काली छाया आयी, 'भोजन थाल रख चल दी।, तो धीरे से उबाचे! बच्चों ने खा लिया? काली छाया –'सो भी गए' स्कूल जाना है कि नहीं? काली छाया से डर तो नही लगता है। मगर ! डरने का नाटक निश्चित रूप से लल्लूराम की पोजीशन में डाइनिंग टेबल पर बैठ गए। फिर 'एक न्यूज चैनल पर समाचान उखेड़ा सुनते भए सम्मोहन में आँखे झपकना भूल गए। जब एंकर ने मुखातिब होकर कहा, 'हम आते हैं ब्रेक के बाद दोस्तों ! आप कहीं मत जाइएगा...! तब होश आया अरे...मैं यहां हूँ। टेलीविजन की आभासी दुनिया से दृष्टि धराशायी हुई तो देखा डिनर ठंडा होकर दम तोड़ रहा ....! झुंझलाहट में कोहनी उठाकर डाइनिंग टेबल पर टेकी .....भट्ट.....! इस अप्रत्याशित भट्ट (आवाज) से टॉमी जोर से भौंका। अब तो वह भौंक – भौंक कर भौंकने का क्षेत्रफल बढाता ही जा रहा । उसके भौकन्ने पन पर चौकन्ने होकर सांसो को थामे आधी रात में उसे शांत होने का प्रस्ताव देते हुए उसी की बोली में प्रतिउत्तर देने लगे। मगर उनके प्रतिउत्तर को सुन टॉमी बौखला गया। भौंक कर चिंदी चिंदी कर उनकी धज्जियाँ उड़ा रहा। चिरंजीलाल हाथ जोड़ ने की मुद्रा में अपनी मूर्खता को स्वीकार किया कि यार.... भट्ट की टाइमिंग गलत थी...? 'अरे ये सोता क्यूं नहीं ?!' पता नहीं कब सोता कब जागता है!

बसपा कार्यालय से मूर्ति हटाने पर कटघरे में मायावती

लोक पहल

लखनऊ। लोकसभा चुनाव से पहले बसपा प्रमुख मायावती मूर्ति हटाने के विवाद में फंसती नजर आ रही है। तमाम संगठनों ने उनके इस फैसले का विरोध किया है। बता दें कि कुछ दिन पूर्व बसपा कार्यालय से मायावती, आंबेडकर और कांशीराम की प्रतिमाएं हटाकर उन्हें मायावती के निजी आवास में स्थापित कर दिया गया था। अब इसको लेकर तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है। बहुजन भारत संस्था के अध्यक्ष पूर्व आईएएस कुंवर फतेह बहादुर ने कहा है कि बसपा कार्यालय से आंबेडकर और कांशीराम की प्रतिमा हटाना बहुजन आंदोलन के खिलाफ है। मायावती को यदि प्रतिमा हटानी ही थी तो केवल अपनी हटातीं। संस्था मुख्यालय पर हुई बैठक में संस्था पदाधिकारियों ने बसपा प्रमुख के फैसले

की निंदा की। फतेह बहादुर ने कहा कि बहुजन समाज में जागरूकता पैदा करने वाले पथ प्रदर्शकों की प्रतिमा हटाने से बहुजन समाज जिसमें दलित, पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक समाज शामिल हैं, सभी निराश हैं। उन्होंने कहा कि मूर्ति हटाने को लेकर यह दलील है कि पार्टी कार्यकर्ता पार्टी मुख्यालय में नहीं बल्कि मायावती के आवास पर आते हैं। इसलिए प्रतिमा वहां लगाई हैं। वास्तविकता यह है कि मायावती के आवास पर कोई भी नेता तक समय लिए बिना उनसे नहीं मिल सकता। कार्यालय में आमजन की समस्या को सुनने के लिए भी कोई नहीं रहता। यहां भी आमजन के लिए दरवाजे बंद की रहते हैं। यह बहाना हास्यास्पद है। पार्टी के इस रवैये से पार्टी का जनाधार और भी ज्यादा कमजोर होगा। इस मौके पर संस्था महासचिव चिंतामणि, उपाध्यक्ष नंद किशोर, कृष्ण कन्हैया पाल आदि मौजूद थे।

लेखन प्रतियोगिता में विजेता बने डा. गायत्री शर्मा और ललित गर्ग

सपना सीपी साहू 'स्वप्निल' और प्रो. लक्ष्मी यादव को मिला दूसरा स्थान

लोक पहल

इंदौर (मप्र)। मातृभाषा हिंदी के प्रचार की दृष्टि से हिंदीभाषा डॉट कॉम परिवार की ओर से 67वीं स्पर्धा 'माँ बिन' विषय पर कराई गई। इसमें पद्य वर्ग में डॉ. गायत्री शर्मा और गद्य वर्ग में ललित गर्ग ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

मंच–परिवार की सह–सम्पादक अर्चना जैन और संस्थापक–सम्पादक अजय जैन 'विकल्प' ने बताया कि हिंदी और रचनाशिल्पियों के उत्साहवर्धन हेतु लगातार स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का क्रम जारी है। इसी कड़ी में आयोजित उक्त स्पर्धा में निर्णायकगण ने पद्य वर्ग में प्रथम स्थान पर 'काला टीका रोज लगाती माँ' के लिए डॉ. शर्मा (छग) को प्रथम स्थान दिया है। इसी वर्ग में दूसरा स्थान 'माँ जीवन विकल्प' कविता पर सपना सीपी साहू 'स्वप्निल' (मप्र) ने प्राप्त किया है, तीसरे स्थान पर डोली शाह (असम) की रचना 'माँ की पुकार' रही है।

श्रीमती जैन ने बताया कि, स्पर्धा में गद्य वर्ग में ललित गर्ग (दिल्ली) की रचना 'त्याग–प्रेम की पराकाष्ठा माँ' उत्कृष्ट होने से प्रथम आँकी गई है, जबकि दूसरा विजेता बनने का अवसर 'जननी बिन जीवन निरर्थक' पर प्रो. लक्ष्मी यादव (महाराष्ट्र) को मिला है। तीसरे स्थान पर 'माँ सर्वोपरि' आलेख हेतु गोवर्धन दास बिन्नाणी 'राजा बाबू' (राजस्थान) विजेता बनने में सफल रहे हैं।

मंच की संयोजक डॉ. सोनाली सिंह, परामर्शदाता डॉ. पुनीत कुमार द्विवेदी (मप्र), मार्गदर्शक डॉ.एम.एल. गुप्ता 'आदित्य', सरंक्षक डॉ. अशोक (बिहार), विशिष्ट सहयोगी एच.एस. चाहिल (छग) एवं प्रचार प्रमुख ममता तिवारी 'ममता' (छग) ने सभी विजेताओं व सहभागियों को हार्दिक बधाई दी है।

नित्य योग से रहें निरोग : पचौरी

9वें विश्व योग दिवस पर सांसद सत्यदेव पचौरी ने किया योग, बताए फिट रहने के टिप्स

'हार्टफुलनेस इंस्टिट्यूट, श्रीरामचंद्र मिशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ कार्यक्रम

लोक पहल

कानपुर। शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ्य रहने के लिए नित्य योग अभ्यास करना हर व्यक्ति के स्वास्थ्य के लिहाज से अत्यंत लाभकारी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज विश्वभर के लोग योग की महत्ता को समझ रहे हैं। वे भारत से प्रेरित होकर योग–ध्यान–साधना की ओर आगे बढ़ रहे हैं। यह बात 9वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में हार्ट फुलनेस इंस्टिट्यूट, श्रीरामचंद्र मिशन के तत्वावधान में रतन लाल नगर स्थित 'आरआर गार्डन' गेस्ट हाउस में आयोजित एक दिवसीय योग शिविर में शिरकत करने आए कानपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद सत्यदेव पचौरी ने कही। उन्होंने कहा कि रोज आधे घंटे योगाभ्यास शरीर को रोगमुक्त रखता है और मन को शांति देता है। उन्होंने बैंगलौर से पधारी सुप्रतिष्ठत योग शिक्षिका 'शिवांगी द्विवेदी' व ऋषि प्रकाश द्वारा व्यायाम करवाए जाने पर उनका आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम के आयोजक अधिवक्ता मनोज सिंह ने कहा कि भारत में ऋषि मुनियों के दौर से ही योगाभ्यास होता आ रहा है। योग भारतीय संस्कृति से जुड़ा है, जिसका प्रसार विदेशों में हो रहा है।

इस अवसर पर हार्टफुलनेस इंस्टिट्यूट की प्रशिक्षक शालिनी श्रीवास्तव, वीएन निगम, प्रदीप श्रीवास्तव, डॉ. सुरेंद्र सिंह, डॉ. सीएल सचान, एसपी सिंह, आशीष सिंह, संतोष सिंह, मुकुल मिश्रा, रवि गुप्ता लवी श्रीवास्तव, आशीष निगम, विनोद मिश्रा सहित सैकड़ो की संख्या में लोग मौजूद रहे ।

लोकसभा उम्मीदवारों की तलाश में जुटी बसपा, दलित-मुस्लिम समीकरण पर जोर

लोक पहल

लखनऊ। विधानसभा चुनाव में बसपा को मिली करारी हार से पार्टी सबक लेना चाहती है। लोकसभा चुनाव में बसपा फूंक–फूंककर कदम रख रही है। लोकसभा चुनाव की तैयारी शुरू करने के साथ ही पार्टी ने उम्मीदवारों की तलाश भी शुरू कर दी है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपनी कोआर्डिनेटरो को निर्देश दिए हैं कि अभी से उम्मीदवार तलाशने शुरू करें। खास तौर पर गैर विवादित व शिक्षित लोगों को ही उम्मीदवार बनाया जाए।

इसके अलावा यह भी यह भी ध्यान दिया दें कि उम्मीदवार आपराधिक प्रवृति के न हों। सभी कोआर्डिनेटरों ने यह तलाश शुरू कर दी है। बसपा विधानसभा चुनाव की गलतियों को दोहराना नहीं चाहती है। विधानसभा चुनाव में बसपा की ऐसी दुर्गति हुई कि उसका बस एक ही उम्मीदवार जीत पाया। यही कारण है कि इस बार उम्मीदवार चयन में फूंक फूंक पर कदम रखने को कहा गया है। बसपा प्रमुख मायावती ने हाल ही में सभी कोआर्डिनेटरों की बैठक की है। सभी को संगठन मजबूती के लिए कहा गया है। निर्देश दिए गए हैं कि बूथ कमेटियों तक को पूरी तरह से मजबूत किया जाए।

खास तौर पर युवाओं को जोड़ा जाए। साथ ही महिलाओं को भी संगठन से जोड़ा जाए। इसके अलावा उम्मीदवारों के चयन पर फोकस किया गया। उसी आधार पर अब बसपा कोआर्डिनेटरों ने उम्मीदवारों की तलाश शुरू कर दी है। बसपा थिंक टैंक का मानना है कि यदि मुस्लिम और दलित एक साथ आ गए तो वास्तव में बसपा को एक बड़ी सफलता मिल सकती है। एक आधार तैयार हो सकता है। चूंकि अब बसपा का दलित वोटर भी खिसकने लगा है तो बसपा को एक मजबूत आधार की तलाश है।

बुनकर सम्मेलन के बहाने बुनकरों को पार्टी से जोड़ेगी कांग्रेस

लोक पहल

लखनऊ। लोकसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती। कहा जाता है कि दिल्ली की सत्ता का रास्ता यूपी से होकर जाता है। प्रदेश की 80 लोकसभा सीटें किसी भी पार्टी को दिल्ली की सत्ता पर काबिज कर सकती है। इसी को ध्यान में रखते हुए कांग्रेस इस बार उत्तर प्रदेश में पूरी दमखम के साथ लोकसभा चुनाव में उतरने की तैयारी में जुटी है। कांग्रेस ने अल्पसंख्यकों को जोड़ने की मुहिम शुरू कर दी है। चाय पर चर्चा के बाद अब जुलाई में भारत जोड़ो बुनकर सम्मेलन आयोजित करने की तैयारी है। इसके जरिए बुनकरों की बदहाली का मुद्दा उठाया जाएगा। यूपीए सरकार में बुनकरों को दी गईं सहूलियतों से भी वाकिफ कराया जाएगा। सम्मेलन के जरिए खासतौर से अवध और पूर्वांचल में वोटबैंक बढ़ाने की कवायद की जाएगी। सम्मेलन में बुनकरों के पते और मोबाइल नंबर भी इकट्ठा किए जाएंगे, ताकि उन तक निरंतर पार्टी की पहुंच बनी रही।

प्रदेश में गोरखपुर, मऊ, आजमगढ़, सीतापुर, शाहजहांपुर, अंबेडकरनगर, मेरठ, मिर्जापुर, भदोही, चंदौली, वाराणसी, बस्ती, महराजगंज, देवरिया, संतकबीरनगर, सिद्धार्थनगर सहित विभिन्न जिलों में क्षेत्रवार बुनकरों की अच्छी आबादी है। भाजपा पसमांदा मुस्लिमों को जोड़ने के लिए विभिन्न कार्यक्रम कर रही है। ऐसे में

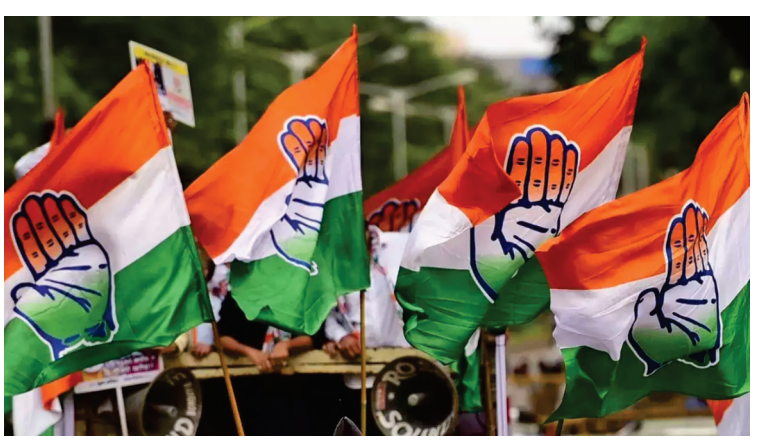

कांग्रेस ने बुनकर सम्मेलन की रणनीति बनाई है। 15 जुलाई के बाद वाराणसी या मऊ से इसकी शुरुआत की जाएगी। इन सम्मेलनों में बुनकरों की बदहाली का मुद्दा उठाया जाएगा। उन्हें यह भी बताया जाएगा कि कांग्रेस ही अल्पसंख्यकों की लड़ाई लड़ सकती है। उन्हें वर्तमान में धागे पर लगे जीएसटी सहित विभिन्न तरह की कर वृद्धि से बुनकरों को होने वाले नुकसान से भी वाकिफ कराया जाएगा।

कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सदस्य इमरान प्रतापगढ़ी ने बताया कि महाराष्ट्र, गुजरात, बिहार सहित विभिन्न राज्यों में बुनकर सम्मेलन शुरू कर दिए गए हैं। अब उत्तर प्रदेश में इसकी तैयारी चल रही है। बुनकर समाज कांग्रेस का परंपरागत वोटबैंक रहा है। इन्हें फिर से पार्टी से जोड़कर लोकसभा चुनाव लड़ा जाएगा। इमरान प्रतापगढ़ी ने आरोप लगाया कि बुनकरों की उपेक्षा होने की वजह से हथकरघा उद्योग पूरी तरह से चौपट हो गया है।

बच्चों के प्रति उत्कृष्ट सेवा के लिए सूर्या क्लब की अनुज्ञा सम्मानित

जियो लायंस से काजल को मिला सम्मान

लखनऊ में हुआ समारोह, डिस्ट्रिक्ट गवर्नर ने बांटे पुरस्कार

लोक पहल

लखनऊ/शाहजहांपुर। लायंस इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट द्वारा वर्ष 2022–23 के डिस्ट्रिक्ट अवार्ड फंक्शन वात्सल्य लखनऊ मे रविवार को आयोजित किया गया, जिसमें लायंस क्लब शाहजहांपुर सहेली व सूर्या को कई अवार्ड मिले। समाजसेवा में अग्रणी सहेली संस्था को वर्ष भर किये गए उत्कृष्ट सेवा कार्यों की विभिन्न वर्ग मे डिस्ट्रिक्ट गवर्नर द्वारा पुरस्कार देकर सम्मनित किया गया।

चार्टर अध्यक्ष लायन मीरा सेठ, अध्यक्ष लायन काजल खन्ना, सचिव पदमा गुप्ता, कोषाध्यक्ष महिमा शुक्ला, आरती खन्ना, रश्मि मेहरोत्रा, गीतिका खन्ना ने डिस्ट्रिक्ट गवर्नर द्वारा इन पुरस्कार को ग्रहण किया। साथ ही साथ लायंस क्लब सहेली द्वारा खोले गए लियो क्लब सूर्या में बच्चों को प्रेरित करने के लिए प्रशस्ति पत्र देकर लियो अध्यक्ष अनुज्ञा मिश्रा को सम्मानित किया गया। अध्यक्ष काजल खन्ना ने बताया कि उन्हें पूरे डिस्ट्रिक्ट मे हरिद्वार मल्टीपल अवार्ड फंक्शन मे मल्टीपल 321–बी–1 का बेस्ट प्रेजिडेंट का पुरस्कार भी मिला है। उन्होंने डिस्ट्रिक्ट के सभी माननीय अधिकारियो का धन्यवाद देते हुए उत्कृष्ट सेवा कार्यों के कारण मिले इन पुरस्कारो के लिए खुशी जाहिर की व आगे भी ऐसे ही सेवा कार्य होते रहने का आश्वासन दिया।

दूध का करें इस्तेमाल

गर्मियों में ग्लो करेगी त्वचा

त्वचा पर आता है निखार

नहाने के पानी में एक कप दूध डालकर नहाने से आपकी स्किन पर निखार आता है। इससे चेहरे के दाग-धे भी दूर हो जाते हैं। रोजाना इसके इस्तेमाल से आपकी स्किन पर चमक भी आती है।

संतरे के छिलका

सबसे पहले संतरे के छिलके को मिसी में पीस लें। अब इसमें 2 चच गुलाब जल डालें। इसे अच्छे से मिला लें। इस पेस्ट को अपने चेहरे पर लगाएं और कुछ देर तक हल्के हाथों से स्क्रब करें। इससे डेड स्किन रिमूव हो जाएगी। कम से कम 3-5 मिनट तक चेहरे को रब करने के बाद त्वचा को साफ कर लें। इस पेस्ट को हते में 3 बार चेहरे पर लगाएं और निखार देखें।

दूध और शहद फेस पैक

अपने फेस के लिए आपको दूध और शहद का इस्तेमाल करना चाहिए। यह तो सभी जानते हैं कि दूध एक नेचुरल एसफोलिएटर की तरह काम करता है और शहद एक प्राकृतिक मॉइश्चराइजर है। इसको या फिर इससे बने फेस पैक को इस्तेमाल से करने से आपकी डेड स्किन रिमूव होती है, जिससे आपकी त्वता की चमक बढ़ती है।

केसर से बना फेस पैक

1 चच शहद में थोड़ा सा केसर डालें। केसर को कुछ देर शहद में भिगने दें। सबसे पहले चेहरे और गर्दन पर केसर का पेस्ट लगाएं। फिर 10 मिनट बाद फेस लीन कर लें। ध्यान रहे चेहरे को साफ करने के लिए फेस वॉश का इस्तेमाल न करें। इस पेस्ट को हते में 2-3 बार चेहरे पर जरूर लगाएं।

गर्मियों के मौसम में खुद को तरोताजा रखना बेहद जरूरी होता है। लोग तो दिन में दो बार नहाने की सलाह देते हैं, ताकि स्किन पर किसी भी तरह के बैक्टीरिया जमा ना हों। गर्मियों में लोग जब भी तेज धूप में घर से बाहर निकलते हैं तो सनबर्न, टैनिंग जैसी समस्या का होना बेहद आम बात है। अगर स्किन केयर की बात करें तो जिस तरह से सर्दी के मौसम में स्किन का ध्यान रखता जाता है, ठीक उसी तरह से गर्मी और बरसात के मौसम में भी त्वचा का ध्यान रखना जरूरी होता है। अगर आप भी धूप से होने वाली टैनिंग, सनबर्न, खुजली और एलर्जी से अपनी त्वचा को बचाना चाहते हैं तो दूध का इस्तेमाल कर सकते हैं। दरअसल, दूध में पाए जाने वाले पोषक तत्व आपकी त्वचा को कई तरह की परेशानियों से बचाकर रखते हैं।

दूर होगी ड्राई स्किन की समस्या

गर्मी के मौसम में कई लोगों की स्किन बेहद ड्राई हो जाती है। अगर आपके साथ भी ये परेशानी हे तो रोजाना नहाने के पानी में आधा कप दूध डाल लें। इससे आपके त्वचा की नमी बरकरार रहेगी। ये स्किन की नमी को लॉक करके रखता है। आप इसका इस्तेमाल रोजाना कर सकती हैं।

एलर्जी रहेगी दूर

अगर आपकी स्किन पर खुजली, रैशेज और दाने की समस्या है तो आप नहाने के पानी में दूध डाल कर इससे बचाव कर सकते हैं। ऐसा करने से आपकी स्किन में कसाव भी रहेगा।

एंटी एजिंग की तरह करता है काम

स्किन पर दूध का इस्तेमाल आपकी स्किन के लिए एंटी एजिंग का काम करेगा। इससे त्वचा का ढीलापन दूर होता है और चेहरा ग्लो करता है। आप एने की समस्या को खत्म करने के लिए इसको इस्तेमाल रोज कर सकती हैं।

देखो हँस मत देना

भाई ने रसोई में गैस पर कूकर चढ़ा सेल्फी वाली पोस्ट डाली की और लिखा बीवी मायके गयी है और मुझे चाय बनानी है, कुकर में कितनी सिटी लगाऊं? किसी ने कहा-कुकर में ऑलरेडी एक सीटी लगी है और कितनी लगाएगा, किसी ने कहा बेवकूफ चाय कुकर में थोड़ी बनती है कड़ाही चढ़ा, एक बोला- पहले दो घण्टे चाय पी भिगो ले ,दो तीन सीटी में काम चल जाएगा, किसी ने सुझाया खिड़की पर जाके एक सीटी बजा, पड़ौसन दे जाएगी?

जेलर- सुना है की तुम शायर हो कुछ सुनाओ यार, कैदी- पेश करता हूं साहेब, गम ए उल्फत में जो जिन्दगी कटी हमारी, जिस दिन जमानत हुई जिन्दगी खतम तुारी, जेलर- अरे बंसी वो डंडे में तेल लगा कर लाना ये अभी तक नहीं सुधरा है।

एक आदमी नदी में डूब रहा था। वो जोर जोर से चिल्लाया- गणेश जी बचाओ, गणेश जी बचाओ, गणेश जी आए ओर नदी किनारे नाचने लगे। आदमी-प्रभु आप नाच यों रहे हो? मुझे बचाओ, गणेश जी मुस्कुराते हुए बोले-तू भी तो मेरे विसर्जन में बहुत नाच रहा था!

कहानी | किसान और ठगने वाले परिवार

एक गरीब किसान के पास एक छोटा-सा खेत और एक बैल था। बड़े परिश्रम से उसने डेढ़ सौ रुपए इकट्ठे किए और एक और बैल पशु हाट से खरीदा। रास्ते में लौटते समय उसे चार लड़के मिले, जिन्होंने उससे बैल खरीदना चाहा। किसान ने सोचा कि यदि मुझे डेढ़ सौ से अधिक मिल गए तो बेहतर बैल खरीदूंगा। उसने बैल की कीमत लड़कों को दो सौ बताई। वे बोले कि कीमत तो ज्यादा है। किसी समझदार व्यक्ति को पंच बनाकर फैसला करा लेते हैं।' वास्तव में चारों लड़के एक ठग पिता की संतान थे और उन्होंने अपने पिता को ही पंच बना दिया। पिता ने बैल की कीमत मात्र पचास रुपए तय की। वचन से बंधे किसान को बैल पचास रुपए में बेचना पड़ा, किंतु वह इस धोखे को समझ गया। अगले दिन किसान सुंदर महिला के वेश में चारों भाइयों से मिला। उन्होंने विवाह की इच्छा व्यक्त की। तब वह बोला कि जो सबसे पहले मेरे लिए बनारसी साड़ी, मथुरा के पेड़े और सहारनपुर के आम लाएगा, मैं उसी से शादी करूंगी।' चारों शहर की ओर दौड़ पड़े। तब ठग पिता को अकेले में किसान ने खूब पीटा और अपना धन वापस ले लिया। चारों लड़के वापस लौटे तो पिता को बेहाल पाकर मन मसोसकर रह गए, योंकि किसान का पता तो जानते नहीं थे। अगले दिन किसान हकीम बनकर वृद्ध ठग की चोटों का उपचार करने पहुंचा और लड़कों को चार जड़ी-बूटी लाने भेज दिया। इस बार उसने ठग की पिटाई कर अपना बैल छुड़ा लिया। चारों भाई लौटे तो पिता को और बदतर अवस्था में पाया। उन्होंने प्रण लिया कि कभी किसी के साथ ठगी नहीं करेंगे।

कथा का सार-अन्यायी को अंततः बहुत बुरा परिणाम भोगना पड़ता है और तब उसे अपने किए पर घोर पश्चाताप होता है।

7 अंतर खोजें

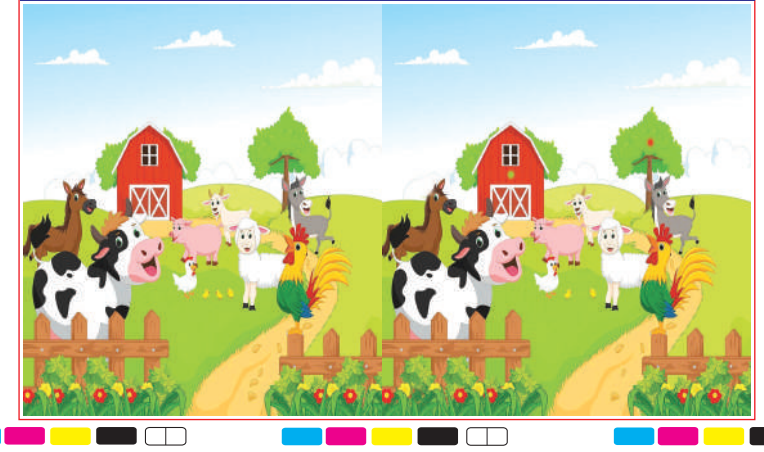

जानिए कैसा रहेगा यह सप्ताह

मेष आज का दिन बढ़िया रहने वाला है। आज उन चीज़ों को महत्व दें जो सच में आपके लिए महत्वपूर्ण हैं। आज आपको अपने परिवार और काम के बीच संतुलन बनाकर रखना होगा।

वृषभ आज आप में से कुछ की रचनात्मकता चरम पर होगी लेकिन वीय दबाव हो सकता है। धन संबंधी मामलों को समझदारी से निपटाया जाना चाहिए।

मिथुन आज का दिन हर्षो-उल्लास से भरा रहने वाला है। आज आपको खूब सारी पहचान मिलने वाली है। आज आप जिस मुकाम पर हैं वो आपकी अच्छी संप्रेषण कला की वजह से है।

कर्क आज का दिन भाग-दौड़ वाला हो सकता है। आप सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर होंगे और आपका उत्साह आपको साहस एवं बल प्रदान करेगा।

सिंह आज आप एक बहुत बड़ी साझेदारी को अंतिम रूप देने वाले हैं, जिसके बारे में जीवनसाथी से अपने मिशन और लक्ष्यों के बारे में स्पष्ट रूप से बता देना सही रहेगा।

कन्या आज आप में से कुछ के जीवन में अप्रत्याशित रूप से कुछ घटित हो सकता हैं। विदेशी संपर्क वाले लोग व्यावसायिक गतिविधि में उतार-चढ़ाव अनुभव कर सकते हैं।

तुला आज का दिन सामान्य रहने वाला है। किसी समारोह में खुद को अकेला महसूस करेंगे। इससे निजात पाने के लिए सकारात्मक सोच का सहारा लें और लोगों से बेझिझक बात करें।

वृश्चिक आय अच्छी रहेगी, किन्तु बेकार की गतिविधियों पर अंकुश लगाना श्रेयकर रहेगा। आपको अपने करियर में चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है।

धनु आज आर्थिक योजनाओं में किया गया निवेश लाभप्रद होगा। अपनों के साथ सहयोगात्मक रूख अपनाना होगा वरना रिश्तों में बेवजह खटास आ सकती है।

मकर किस्मत आपका साथ देगी और महत्वाकांक्षी परियोजनाएं गतिशील हो सकती हैं। पारिवारिक परिवेश में काफी समय से लंबित कार्य आज पूरे किए जा सकते हैं।

कु आज का दिन कुछ मिला-जुला रहने वाला है। दूसरों के साथ तालमेल अच्छा रहेगा। जो काम करना है या जो जिदारी आपको मिली है, उसे खुशी-खुशी स्वीकार कर लें।

मीन आज का दिन आपके लिए बहुत उत्साहजनक नही है। आज कार्यों में देरी और बाधाएं प्रबल होंगी। हालांकि पारिवार का पूरा सहयोग मिलेगा।

स्वामी शुकदेवानन्द विधि महाविद्यालय

नैक बी+

मुमुक्षु आश्रम, शाहजहाँपुर

प्रवेश का स्वर्णिम अवसर

विधि स्नातक पाठ्यक्रम

LL.B. पंचवर्षीय (12वीं उत्तीर्ण छात्र कम से कम 45 प्रतिशत)

LL.B. त्रिवर्षीय (स्नातक आदि उत्तीर्ण छात्र कम से कम 45 प्रतिशत)

विधि स्नातकोत्तर (पी.जी.) पाठ्यक्रम

LL.M. द्विवर्षीय (विधि स्नातक उत्तीर्ण छात्र)

विधि 100 प्रतिशत रोजगार युक्त पाठ्यक्रम है।
योग्य और अनुभवी प्राध्यापकों
द्वारा नियमित कक्षाओं का संचालन।

विधि पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु
नामांकन के लिए प्रत्येक कार्य दिवस
पर प्रातः 10:00 बजे से शाम 04:00 बजे तक
महाविद्यालय कार्यालय में सम्पर्क करें।

विधि पाठ्यक्रमों में स्थान सीमित होने के कारण
प्रवेशार्थियों को चाहिए कि वे यथाशीघ्र
प्रवेश प्राप्त करें।

विस्तृत जानकारी हेतु महाविद्यालय के सम्पर्क सूत्र -

05842-796171, 796174, 9559913013, 9453721669
9005182809, 7007902156, 9473938629, 9415703943

शीघ्रता करें - स्थान सीमित

(विधि पंचवर्षीय पाठ्यक्रम के लिए किसी प्रवेश परीक्षा की आवश्यकता नहीं, सीधे प्रवेश प्रारम्भ)

प्राचार्यः स्वामी शुकदेवानन्द विधि महाविद्यालय, शाहजहाँपुर

लोक पहल, राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक, मुमुक्षु आश्रम, शाहजहॉपुर, प्रधान संपादक अरूण पाराशरी

लोक पहल हिन्दी साप्ताहिक स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक डा. अवनीश कुमार मिश्रा द्वारा शाहजहॉपुर प्रिन्टर्स जज साहब वाली गली, तारीन बहादुरगंज जिला शाहजहॉपुर 242001 से मुद्रित व 160 रोशनगंज लक्ष्मी राईस मिल, शाहजहॉपुर 242001 उ0प्र से प्रकाशित। संपादक–सुयश सिन्हा मो. 9935740205 E-mail : lokpahalspn@gmail.com समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र शाहजहॉपुर होगा।